राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 214 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

एक नजर

इंफोसिस को मिला 14,000 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक इंफोसिस ने मंगलवार को बताया कि उसे एनएचएस बिजनेस सर्विसेज अथॉरिटी) से 1.2 अरब पाउंड (लगभग 14,137 करोड़ रुपये) का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कंपनी ने कहा कि यह कॉन्ट्रैक्ट एक नया वर्कफोर्स मैनेजमेंट सिस्टम डेवलप करने के लिए किया गया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 15 साल की इस साझेदारी के तहत, इंफोसिस फ्यूचर एनएचएस वर्कफोर्स सॉल्यूशन नाम से एक डेटा-आधारित वर्कफोर्स मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म तैयार करेगी, जो मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक स्टॉफ रिकॉर्ड सिस्टम की जगह लेगा। यह नया सिस्टम इंग्लैंड और वेल्स में एनएचएस के 19 लाख कर्मचारियों के पेरोल मैनेजमेंट का काम जारी रखेगा।

2025 के अंत तक और सस्ता होगा क्रूड ऑयल

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में इन दिनों सप्लाई की अधिकता देखने को मिल रही है। यही वजह है कि पिछले दो हफ्तों में तेल की कीमतों में करीब 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध अभी भी जारी है और रूस की करीब 20 फीसदी रिफाइनिंग क्षमता प्रभावित है, इसके बावजूद दामों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 महीने के निचले स्तर पर 60 प्रति बैरल से नीचे चला गया है, वहीं ब्रेंट क्रूड की कीमत 63 प्रति बैरल तक लुढ़क गई है।

सेंसेक्स 297 अंक टूटा निफ्टी 25145 पर बंद

नई दिल्ली। एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार मजबूती के साथ खुलने के बावजूद लाल निशान में बंद हुए। इसी के साथ बाजार में लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में गिरावट दर्ज की गई। पीएसयू बैंक और मेटल शेयरों में मुनाफावसूली के चलते बाजार नीचे आ गया। टाटा मोटर्स में गिरावट ने भी बाजार को नीचे की तरफ खींचा। निवेशकों ने घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजों के बीच सतर्क रुख अपनाया। तीस शेयरों वाला बीएसई संसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला।

ओपनएआई अब बनाएगी अपना खुद का चिप

नई दिल्ली। ओपनएआई अब तक चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैंग्वेज मॉडल चैटबॉट और सोरा जैसे वीडियो मेकिंग प्लेटफार्म के लिए जानी जाती थी। इसके लिए कंप्यूटिंग चिप की जरूरत होती है जो ओपनएआई बाहर से लेती थी लेकिन अब ओपनएआई ने ब्रॉडकॉम के साथ मिलकर अपना पहला इन-हाउस एआई प्रोसेसर विकसित करने की घोषणा की है। यह कदम चैटजीपीटी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने और एआई कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

गुणवत्ता और मानक ही आत्मनिर्भर भारत की पहचानः मुख्यमंत्री साय

विश्व मानक दिवस पर मुख्यमंत्री ने दिलाई गुणवत्ता शपथ, कहा-हर क्षेत्र में पारदर्शिता, उपभोक्ता अधिकार और नवाचार सर्वोपरि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में मानकों का पालन पारदर्शिता, गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा रही है और इसके माध्यम से मिलावट व नकली वस्तुओं के कारोबार पर प्रभावी रोक लगी है।

मुख्यमंत्री साय ने आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को गुणवत्ता शपथ दिलाते हुए मानकीकृत उत्पादों को बढ़ावा देने और बीआईएस के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक समय था जब सोने जैसी धातुओं की शुद्धता का पता लगाना कठिन था, लेकिन आज हर उपभोक्ता बीआईएस हॉलमार्क देखकर ही आभूषण खरीदता है। बीआईएस का हॉलमार्क अब उपभोक्ता भरोसे का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने बताया कि बीआईएस द्वारा बोतलबंद पानी, हेलमेट, खिलौने, गहनों से लेकर करीब 22 हजार वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच मानक चिन्हों के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मानकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और मानकीकरण के कारण आज देश के गांव और कस्बों में बने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनों से मानक चिन्हों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प उपभोक्ता अधिकारों की मजबूती से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक पहचान है।

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि विश्व मानक दिवस का उद्देश्य उपभोक्ताओं और समाज में मानकीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह हमारे वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रयासों को सराहने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है और गुणवत्ता सुधार अब केवल नीति नहीं, बल्कि एक संकल्प बन चुका है। मंत्री बघेल ने कहा कि जागो ग्राहक जागो का संदेश उपभोक्ताओं को सजग और जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को समाज में आगे बढ़ाएं, ताकि उपभोक्ता संरक्षण और अधिक सशक्त हो सके। भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक एस. के. गुप्ता ने कहा कि बीआईएस का प्रत्येक मानक उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा को समर्पित है। उन्होंने बताया कि उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और ब्यूरो इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

शैक्षणिक संस्थानों के नवाचारी स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

मानक महोत्सव में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए नवाचार आधारित स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बने। मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित नवाचारों का अवलोकन किया और उनके रचनात्मक प्रयासों की सराहना की। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल बिरकोनी के विद्यार्थियों ने रक्तचाप जांचने की मशीन और मिट्टी की नमी मापने की मशीन तैयार की। पंडित आर. डी. तिवारी गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों ने एक्सप्लोरर रोबोट प्रस्तुत किया, जो अंधेरे और दुर्गम स्थानों में रास्ता खोजने में सक्षम है। यह रोबोट खदानों और औद्योगिक स्थलों पर उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने मानक महोत्सव में विभिन्न स्टालों का किया अवलोकन

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने मानक स्थापना से जुड़ी गतिविधियों और संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। सिपेट रायपुर के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि संस्था प्रदेश के युवाओं को लघु एवं दीर्घकालीन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, साथ ही उद्योगों को गुणवत्ता परामर्श और तकनीकी सलाह भी उपलब्ध कराती है।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर एसी बस में लगी आग

15 से ज्यादा मौतों की आशंका

जैसलमेर (ए)। जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक निजी बस मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग की चपेट में आ गई। हादसे में तीन बच्चों और चार महिलाओं समेत करीब 15 यात्री झुलस गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से झुलसे यात्रियों को जोधपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में प्रथम दृष्टया करीब 10 से 15 लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका है।

चलती बस में उठने लगा धुआं, मिनटों में आग ने वाहन को जकड़ा

जानकारी के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर थईयात गांव के पास हुई। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, बस रोजाना की तरह दोपहर 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर चलने के बाद अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। इससे पहले कि चालक या यात्री कुछ समझ पाते, आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।

खिड़कियां तोड़कर यात्रियों ने बचाई जान, ग्रामीणों ने की मदद: आग लगते ही बस में चीख-पुकार मच गई और यात्री जान बचाने के लिए खिड़कियां तोड़कर बाहर कूदने लगे। कई यात्रियों के कपड़े और सामान जल गए। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दमकल विभाग और पुलिस को भी सूचना दी गई।

दमकल ने मशक्कत के बाद बुझाई आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका: दमकल की गाड़ियां कुछ ही देर में मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि बस के इंजन या वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगी हो सकती है। वहीं, नगर परिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि सूचना मिलते ही वे टीम के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि बस पूरी तरह से आग का गोला बन चुकी थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जैसलमेर रवाना

जैसलमेर हादसे पर सीएम भजनलाल ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कलेक्टर एसपी से फोन पर बात करके पीड़ितों को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दुखद घटना पर लगातार फ़ीडबैक ले रहे हैं। सी एम भजनलाल शर्मा जैसलमेर के लिए रवाना हो गए हैं।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने जताया दुख

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि लोगों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में भीषण आग लगने से कई लोगों के हताहत होने का चिंताजनक समाचार मिला है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस हादसे में कम से कम जनहानि हो एवं झुलसे हुए लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो।

यूपी के 14.82 लाख राज्य कर्मचारियों को योगी सरकार ने बोनस देने का किया एलान

लखनऊ (ए)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली से पहले यह आर्थिक लाभ कर्मचारियों के परिवारों के लिए आनंद और उत्साह लेकर आएगा तथा शासन-प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बिहार चुनाव : भाजपा की 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

दो उपमुख्यमंत्रियों, छह मंत्रियों के नाम

बिहार (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की, जिसमें 13 मंत्रियों और नौ महिलाओं के नाम शामिल हैं जबकि विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया गया है। भाजपा नवंबर में होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तहत लड़ रही है। वह 243 विधानसभा सीट में से 101 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। शेष सीटें गठबंधन सहयोगियों के हिस्से में गई हैं जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यू) भी शामिल है।

भाजपा की पहली लिस्ट में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को लखीसराय से प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया गया है। यादव सात बार पटना साहिब से विधायक रह चुके हैं। पार्टी ने उनकी जगह उच्च न्यायालय के वकील और भाजपा नेता रत्नेश कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है।

विधानसभा अध्यक्ष यादव ने टिकट कटने पर कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी के निर्णय के साथ हूं। पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मुझे कोई शिकायत नहीं है। नई पीढ़ी का स्वागत और अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सात बार विजयी बनाया और जो स्नेह मिला, उसे वे कभी नहीं भूलेंगे।

पार्टी ने 48 मौजूदा विधायकों पर फिर जताया भरोसा: इसी तरह, कुम्हरार सीट से पांच बार के विधायक अरुण कुमार सिन्हा का टिकट भी काटा गया है।

हाइवा और बस की आमने-सामने टक्कर, पुल से नीचे गिरी ट्रक, ड्राइवर की मौत, एक गंभीर

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार हाइवा और बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हाइवा पुल से नीचे गिर गई, जिससे मौके पर ही चालक की मौत हो गई और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कुनकुरी थाना क्षेत्र के श्रीनदी के पास हुई है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुनकुरी पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से हाइवा के केबिन को काटकर चालक और क्लीनर को बाहर निकाला गया। चालक की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि गंभीर रूप से घायल क्लीनर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

भारतीय सेना ने कैसे ध्वस्त किए थे पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकाने

डीजीएमओ ने दिखाए सबूत

नई दिल्ली (ए)। भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि अगर हम मुरिदके की बात करें, तो यह लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य आतंकी ठिकाना है। स्क्रीन पर जो भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक दिख रही है, वह वहीं की है। इसमें पहले और बाद की तस्वीरें हैं, जिनमें कुछ अहम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह किया गया है। उन्होंने बताया कि ये हमले सात मई की सुबह के शुरुआती घंटों में किए गए थे।

इन स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, बहावलपुर में भी ऐसे ही हमले किए गए। उन्होंने वहां की पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं, जिनमें साफ देखा जा सकता है कि रॉकेट और मिसाइलें कहां जाकर लगीं। लेफ्टिन जनरल घई ने कहा कि इन इलाकों में आतंकियों और पाकिस्तानी सेना के बीच का खुला गठजोड़ साफ दिखाई दिया। यह इतनी स्पष्टता से दिखा कि हमें भी हैरानी हुई कि उन्होंने कोई एहतियात नहीं बरती। तस्वीरें खुद सारी कहानी बयान कर रही हैं।

ओपी सिंह ने संभाला हरियाणा के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार

चंडीगढ़ (ए)। एडीजीपी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या मामले में हरियाणा सरकार ने सोमवार देर रात डीजीपी शत्रुजीत कपूर को लंबी छुट्टी पर भेज दिया।

मंगलवार को आईपीएस अधिकारी ओमप्रकाश सिंह को नया कार्यकारी डीजीपी नियुक्त किया गया। उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया है। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, पंचकूला के प्रबंध निदेशक, एफएसएल मधुबन के निदेशक और एचएसबीएनसीबी के महानिदेशक ओम प्रकाश सिंह को डीजीपी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। ओमप्रकाश दिवंगत अदाकार सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक ओपी सिंह ने मंगलवार दोपहर पुलिस मुख्यालय पंचकूला में हरियाणा पुलिस के पुलिस महानिदेशक पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है।

इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। पुलिस मुख्यालय पहुंचने के बाद ओपी सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट की।

उद्भवः बच्चों की देखरेख और संरक्षण के लिए अभिनव पहल का शुभारंभ

हर बच्चे को मिले सुरक्षित और सशक्त भविष्य का अवसर: मंत्री राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह में उद्भव नामक अभिनव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 यथा संशोधित 2021 के अंतर्गत संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखरेख के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित किया गया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राज्य सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षा के लिए सतत कार्य कर रही है। उद्भव कार्यक्रम इसी दिशा में एक अभिनव प्रयास है, जो हर बच्चे को स्नेह, सुरक्षा और सम्मान के साथ सशक्त जीवन जीने का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शासकीय बालिका गृह में कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया और लाइब्रेरी का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा और कौशल आज की आवश्यकता है, ताकि बच्चे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन सकें। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि सामाजिक कार्य के उत्प्रेरक (सीएसए) संस्था के साथ जुलाई 2025 में एम.ओ.यू. किया गया था। संस्था के सहयोग से राज्य के रायपुर, दुर्ग, सरगुजा और बस्तर संभागों की 15 संस्थाओं में प्रथम चरण में कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, करियर काउंसलिंग, व्यावसायिक प्रशिक्षण और जीवन कौशल से जुड़े कार्यक्रम संचालित होंगे। राज्य में वर्तमान में 112 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं।

कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे

शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर: रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (ए)। नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन को मंगलवार (14 अक्तूबर) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया।

इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए, शांति स्थापना कभी भी एक विकल्प नहीं रही, बल्कि एक आस्था का विषय रही है। हमारी आजादी के आरंभ से ही, भारत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के संयुक्त राष्ट्र के मिशन में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहा है। सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हम सभी जानते हैं कि शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर है; यह एक साझा जिम्मेदारी है। यह हमें याद दिलाता है कि संघर्षों और हिंसा से ऊपर मानवता है, जिसे बनाए रखने की जरूरत है। और इसीलिए जब युद्ध और अभाव से त्रस्त लोग ब्लू हेल्मेट्स को देखते हैं, तो उन्हें यह एहसास होता है कि दुनिया ने उन्हें त्यागा नहीं है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का मुद्दा भी जोरों शोरों से उठाया। उन्होंने कहा, आजकल, कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कुछ उन्हें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच भारत पुरानी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूती से कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

पाठ्य पुस्तक वितरण पर मंडरा रहा संकट, डिपो को बंद करने के फैसले का विरोध

राजनांदगांव। शहर में संचालित पाठ्यपुस्तक निगम के डिपो को बंद करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डिपो को यथावत संचालित रखने की मांग की है। पॉल ने बताया कि राजनांदगांव के डीपों से हर साल 652 संकुलों को करीब 22 लाख सरकारी पुस्तकें वितरित की जाती हैं। इसके अलावा, 615 हाई स्कूलों को 80 हजार, 826 प्राइवेट स्कूलों को 5 लाख और 101 आत्मानंद स्कूलों को 90 हजार किताबें मिलती हैं।

डिपो के बंद होने से फैलेगी अव्यवस्था– क्रिस्टोफर पॉल का कहना है कि यदि डिपो को बंद किया गया तो किताबों के वितरण में अफरा-तफरी मच जाएगी। इससे बच्चों को समय पर किताबें नहीं मिल पाएंगी और शैक्षणिक सत्र गंभीर रूप से प्रभावित होगा। उन्होंने बताया कि अब जिला शिक्षा अधिकारी को ही वितरण केंद्र खोलने और किताबें बांटने की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पास न तो इतनी जगह है और न ही पर्याप्त कर्मचारी, जो इतने बड़े पैमाने पर वितरण का काम संभाल सकें।

अब तक नहीं बंटीं सारी किताबें, जबकि अर्धवार्षिक परीक्षा हो चुकी– पॉल ने बताया कि इस वर्ष अब तक कई सरकारी और निजी स्कूलों में किताबों का वितरण पूरा नहीं हुआ है, जबकि अर्धवार्षिक परीक्षा समाप्त हो चुकी है। ऐसे में डीपों को बंद करना आने वाले साल में और भी बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि शिक्षा के इस अहम मसले में हस्तक्षेप कर पाठ्यपुस्तक निगम को निर्देशित करें कि राजनांदगांव के डीपों को पूर्ववत चालू रखा जाए, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मिडास हॉस्पिटल,नागपुर को अमेरिका के डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली

रायपुर। नागपुर के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक,मिडास हॉस्पिटल को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसे वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूईओ) ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली है। यह मान्यता अमेरिका के प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ और डब्ल्यूईओ आउटरीच कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर में एक छोटा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रिबन काटने के साथ प्रमाणपत्र और प्लेक का अनावरण किया गया। वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर की यह प्रतिष्ठित मान्यता डॉ. कुलविंदर दुआ ने मिडास हॉस्पिटल के डायरेक्टर, डॉ. श्रीकांत मुकेवार और डॉ. सौरभ मुकेवार को प्रदान की।अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. कुलविंदर दुआ, अमेरिका के विस्कॉन्सिन मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्रोफेसर और प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ, एंडोस्कोपी से जुड़ी नवीनतम तकनीक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे।

वर्धा रोड, नागपुर स्थित मिडास हॉस्पिटल अब अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरों को एंडोस्कोपी में प्रशिक्षण देगा, जिसमें लिवर पर होने वाली अत्याधुनिक एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं का लाइव डेमो भी शामिल होगा। पिछले एक साल में इटली, फ्रांस, रवांडा, साउथ अफ्रीका, यूएई, ओमान और फिलीपींस सहित कई देशों के डॉक्टर मिडास हॉस्पिटल आकर अतिरिक्त प्रशिक्षण ले चुके हैं।मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर को वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मिली यह मान्यता नागपुर और मध्य भारत में विश्वस्तरीय गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और एंडोस्कोपी सेवाएं देने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

टाटा प्ले ने समझदार बनो, टाटा प्ले लगाओ अभियान पेश किया, टेलीविज़न पर किफायती मनोरंजन पर जोर दिया

टाटा प्ले ने अपना डीटीएच अभियान समझदार बनो, टाटा प्ले लगाओ पेश किया है। यह पारंपरिक विज्ञापन से बिल्कुल अलग है। इसमें एआई से बनाया गया एक समझदार उल्लू और एक बुद्धिमान गधा दिखाया गया है। यह ग्राहकों को मजेदार तरीके से टाटा प्ले के फायदों के बारे में बता रहा है। यह अभियान देश में टेलीविज़न के दर्शकों को बेजोड़ मूल्य प्रदान करने के वादे के बारे में बता रहा है। टाटा प्ले के ग्राहक 3,600 रुपये जमा करके पूरे मूल्य के मनोरंजन कार्यक्रम देख सकते हैं। उनके एक-एक पैसे के लिए उन्हें पूरा मनोरंजन मिलता है। साथ ही, एचडी सेट-टॉप बॉक्स, डिश एंटेना, रिमोट और इंस्टॉलेशन के लिए उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। इस अभियान में यह भी बताया जा रहा है कि टाटा प्ले मोबाईल ऐप (टीपीएमए) पर ग्राहक जो भी चैनल देखना चाहते हैं, उसे वो आसानी से चुन सकते हैं। यह अभियान ओगिल्वी ने तैयार किया है। ब्रांड फिल्म डीटीएच की लागत से जुड़ी ग्राहकों की आम समस्या को हल कर रहा है।

समय सीमा की बैठक मे कलेक्टर ने दिए निर्देश

अवैध धान परिवहन और भंडारण पर अनुविभागीय अधिकारी छापामार कार्रवाई करें

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं, विभागवार लंबित मामलों एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी, सभी विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के माध्यम से जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित सभी ब्लॉक स्तरीय संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने कलेक्टर कांफ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन के लिए अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी शासन की मंशानुरूप आम जनता के हितों के लिए संवेदनशीलता एवं गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन के केंद्र में समाज के अंतिम व्यक्ति और जरूरतमंद व्यक्ति हो यह हमेशा ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि कार्यालय में अनुशासन हो और समय पर कार्यालय खुले। सप्ताह के प्रथम दो दिवस अधिकारी कार्यालय में उपस्थित रहें और आम जनता से मिले। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कृषि विभाग की समीक्षा में कहा कि जिन किसानों का एकीकृत पोर्टल पर एवं एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन नहीं हुआ है उनकी पहचान कर और शिविर लगाकर अनिवार्यत पंजीयन करें। गिरदावरी अंतर्गत ग्राम सभा में प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण भी किया जाए। धान खरीदी की तैयारी के लिए कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार 15 नवम्बर से धान खरीदी करने जा रही हैं। अभी से संवेदनशील केन्द्रां में निगरानी रखें तथा अवैध धान परिवहन और डम्पिंग को लेकर राजस्व अधिकारी छापामार कार्रवाई करें। ऐसे बिचौलियों का भी लिस्ट तैयार रखें जो धान खरीदी के दौरान सक्रिय हो जाते हैं। उन्होंने सभी 182 धान संग्रहण केन्द्रों में साफ-सफाई, उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने यह भी कहा कि वनाधिकार पट्टा और विशेष पिछड़ी जाति भूमि धारकों को किसान सम्मान निधि की राशि मिलेगी। जिसके लिए उनका शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर ई-केवाईसी करवाएं। कलेक्टर ने विद्युत विभाग अंतर्गत पीए सूर्य घर बिजली योजना के लिए लक्ष्य के अनुरूप अधिकाधिक हितग्राहियों का चयन करने और उन्हें लाभ दिलाने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिन बैंकों में प्रकरण लंबित है उसे निराकृत कर लाभ दिलाएं। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विशेष अभियान चलाने निर्देश दिए हैं। बच्चों में कुपोषण से निजात पाने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग को आपसी समन्वय से पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित बच्चों को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी समय पर खुले और पूरक पोषक आहार नियमित रूप से मिल यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को कहा कि शासन की मंशानुरूप निर्देशों का पालन करे और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पादर्शिता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने अन्य विभागों की भी समीक्षा की।

इसके अलावा ई-ऑफिस के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह मूव किए गए फाइलों की स्थिति अपडेट करने तथा ई-ऑफिस के अंतर्गत ही पत्राचार व्यवहार में लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को होटल, ढाबा एवं मिठाई दुकानों में सतत रूप से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत संकुल स्तर पर आयोजित होने वाले खेल प्रतियोगिता की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही बैठक में समय-सीमा में प्राप्त पत्रों की समीक्षा, जनशिकायत निवारण एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम, न्यायालयीन प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से लतेलू सोनवानी का सपना हुआ साकार इस दिवाली करेंगे नए पक्के घर का उद्घाटन

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने दुर्ग जिले के ग्रामीण परिवारों के जीवन में नई उम्मीद और सम्मान का उजाला फैलाया है। इसी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसाही के निवासी लतेलू सोनवानी, पिता सुकलाल की कहानी एक प्रेरणादायक सफलता की मिसाल बनी है। हितग्राही लतेलू सोनवानी, जो कबाड़ी का काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे, एक सम्मानजनक घर की आशा रखते थे। आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उनका यह सपना साकार हुआ है। पहले वे कच्चे मकान में रहते थे जो हर बरसात में टपकता था। परिवार की सुरक्षा और बच्चों की पढ़ाई के लिए वे निरंतर चिंतित रहते थे। लेकिन योजना के अंतर्गत उन्हें 1.20 लाख की अनुदान राशि और 23,790 रूपए मनरेगा मजदूरी राशि स्वीकृत हुई।

कुल 1.43 लाख की सहायता से उन्होंने एक सुंदर और मजबूत पक्का मकान बनवाया। अब उनके घर में शौचालय, बिजली और पानी की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। लतेलू सोनवानी ने भावुक होकर कहा मेरे लिए यह आवास किसी वरदान से कम नहीं है। अब मेरे नाती-पोते भी पक्के मकान में रहने का सुख पाएंगे, यह सोचकर ही मुझे बहुत खुशी होती है। पहले जहां कच्ची मिट्टी की दीवारों और टीन की छत वाला घर हुआ करता था, आज वहां पक्की ईंटों की दीवारें, सुंदर फर्श और मजबूत छत वाला मकान तैयार है। अब न कीड़े-मकोड़ों का डर है, न बारिश की सीलन या टपकती छत की चिंता। इस वर्ष की दिवाली पर श्री लतेलू सोनवानी अपने नए पक्के घर का शुभ उद्घाटन करेंगे। उनके लिए यह दिवाली विशेष होगी, क्योंकि इस बार वे अपने स्वयं के घर में दीप जलाकर नई रोशनी का स्वागत करेंगे।

जहाँ धर्म पीड़ित होता है, वहीं कृष्ण जन्म लेते हैं ङ्क पूज्या गीतांजलि शर्मा

बिर्रा (समय दर्शन)। हनुमान चौक सड़कपारा सिलादेही में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस का आयोजन अत्यंत भव्य और भावपूर्ण रहा। कथा व्यास पूज्या गीतांजलि शर्मा जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का दिव्य वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति और आनंद की अमृतधारा में डुबो दिया।

उन्होंने देवकी-वसुदेव की कारावास की पीड़ा, मथुरा में कंस का अत्याचार, तथा भगवान विष्णु के द्वारपालों के अवतार स्वरूप श्रीकृष्ण के प्राकट्य की कथा को इतने भाव और समर्पण से सुनाया कि समूचा पंडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोषों से गूंज उठा।पूज्या कथा व्यास ने कहा कि श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक अवतरण नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना, अधर्म का नाश और

प्रेम व करुणा का संदेश है। जैसे ही कृष्ण जन्म का प्रसंग आया, भजन संग कीर्तन हुआ और श्रद्धालु झूमते हुए भाव-विभोर हो गए। भव्य झांकी में कन्हैया के जन्म का दृश्य सजाया गया, जिसमें मातृत्व की ममता और भक्ति की अनुभूति स्पष्ट झलक रही थी।इस पावन अवसर जजमान केवरा-शंकुपटेल,सुरेखा संतोष वैष्णव ,एकादशिया साहू, राजकुमार पटेल, रामकुमार पटेल, हरवंश चंद्रा, प्यारे लाल,रमाकांत साहू, संतोष आदित्य, उध्धव देवांगन, रामखिलावन तिवारी पवन पटेल, अभिराम कश्यप, तीजूराम साहू, रामाधार केंवट, मनोज साहू, रामप्यारे पटेल, दादू पटेल, लीला राम, गुड्डु केंवट सही बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। कथा स्थल पर भक्तिभाव, रोशनी, भजन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बम्हनीडीह जनपद के ग्रामों का किया निरीक्षण

गाँव की संपूर्ण स्वच्छता के लिये, प्रत्येक ग्रामीण को इस दिशा में कदम बढ़ाना होगा - राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह

जांजगीर-चांपा (समय दर्श न)/ छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव एवं स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत पिपरदा, पुछेली, खपरीडीह, सोनाईडीह एवं गोविंदा का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी स्वच्छाग्राही से गांव में हो रहे कचरा कलेक्शन के गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के विषय में विस्तार से चर्चा किया। ग्रामीणों द्वारा

घर से देने वाले कचरे को अलग अलग करने हेतु आग्रह एवं सभी लोगो को प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अपने गाँव की संपूर्ण स्वच्छता के लिये, प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता कि दिशा में कदम बढ़ाना होगा। उन्होंने यूज़र चार्जेस एवं प्रोत्साहन राशि के विषय में चर्चा कर स्वच्छग्राहियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग व रखरखाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान स्वच्छाग्राही के अध्यक्ष ,सचिव, समूह की दीदियां व गांव के सरपंच, सचिव, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मल्दा में श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत गौरव ग्राम पंचायत मल्दा के सड़क पारा मोहल्ला में 11 अक्टूबर दिन शनिवार को कलश यात्रा के साथ कश्यप परिवार द्वारा आयोजित स्वर्गीय श्री महेंद्र कुमार कश्यप की स्मृति में वार्षिक श्राद्ध निमित्त भव्य संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। व्यास पीठ पर कथा वाचक पंडित रघुनाथ दास महाराज चित्रकूट धाम उत्तर प्रदेश वाले की श्रीमुख से कथा का रसपान कराया जा रहा है। आचार्य पंडित जगदीश प्रसाद दुबे हैं। कथा का समय दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ हो रहा है। कथावाचक रघुनाथ दास महाराज जी के द्वारा 12 अक्टूबर दिन रविवार को सुखदेव जन्म और परीक्षित जन्म के बारे में उपस्थित श्रोताओं को विस्तार पूर्वक वर्णन करके

बताया गया। इसी तरह 13 अक्टूबर दिन सोमवार को वराह अवतार ,कपिल अवतार आदि के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन कर श्रोताओं को समझाया गया। 14 अक्टूबर दिन मंगलवार को ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र श्री राम जन्म एवं बांके बिहारी भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव मनाया गया। इसी तरह 15 अक्टूबर दिन बुधवार को कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी ,16 अक्टूबर गुरुवार को रासलीला, रुक्मणी विवाह और 17 अक्टूबर दिन शुक्रवार को सुदामा चरित्र ,परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम, तुलसी वर्षा एवं 18 अक्टूबर दिन शनिवार को हवन ,तुलसी, पूजन, पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा के साथ ब्राह्मण भोज का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन करता डॉक्टर केशव प्रसाद कश्यप श्रीमती सरस्वती कश्यप ,माखनलाल कश्यप स्वर्गीय श्रीमती कचरा बाई कश्यप, श्रीमती सुभद्रा कश्यप ,श्री परमानंद कश्यप श्रीमती उषा कश्यप, सुरेंद्र कश्यप श्रीमती वसुंधरा कश्यप आदि के अलावा ग्राम वासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हरियाणा के आईपीएस पुरन सिंह को जातिगत प्रताड़ित करने वालों की गिरफ्तारी की मांग

महासमुंद (समय दर्शन)। हरियाणा के अनुसूचित जाति के आईपीएस अधिकारी पुरन कुमार जो आईजी के पद पर रहते हुए 7 अक्टूबर को अपने रिवाल्वर से गोली मारके आत्महत्या कर ली। तथा मरने के पूर्व नौ पेज की सुसाइड नोट में राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी व डीजीपी शत्रुजीत कपुर के साथ 15 आईएएस आईपीएस अधिकारियों के द्वारा उनके अनुसूचित जाति के होने के कारण जातिगत रुप से प्रताड़ित करने से मजबुरी में आत्महत्या करने की बात लिख गया।

मृतक के पत्नी जो स्वयं आईएएस अधिकारी है ने दोषियों के ऊपर कार्यवाही किया जिस पर केवल एफआईआर दर्ज कर जांच के बाद कार्यवाही करने की बात हरियाणा सरकार कह रही है। जबकि मृतक ने सुसाइड नोट में 15

पूर्व व वर्तमान अधिकारीयों के नाम स्पष्ट रूप से लिख गया है जो महत्वपूर्ण सबुत है। इस पत्र के आधार पर नामजद सभी लोगों की गिरफ्तार कर सख्त संदेश दिया जाए। ताकि अन्य भेद-भाव करने वालो लोगों में भय हो।इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव व डीजीपी पर मुख्य आरोप तो उनके पद में रहते स्वतंत्र जांच की संभावना बिल्कुल भी नहीं है। इसलिए इसे पद से हटाकर सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में जांच किया जाना चाहिए। जिससे देश भर में जातिगत भेद भाव करने वालों को कड़ा संदेश मिले।उक्त घटना के बाद कोई ठोस कार्रवाही नहीं होने से देश भर के अनुसूचित जाति वर्ग में भारी आक्रोश एवं भय का माहौल है।

सर्व अनुसूचित जाति महासमुंद के लोगों ने लिखित ज्ञापन में राष्ट्रपति एवं चीफ जस्टिस तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से उक्त घटना के आधार पर देश भर में अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारी कर्मचारीयों के साथ संस्थागत तौर पर उनके साथ कैसे जातिगत भेद-भाव होती है। छोटे छोटे कर्मचारियों की मौत की खबर तो संबंधित क्षेत्र में ही दफ्न हो जाती है। हमारे समाज के बहुत से अधिकारियों को जाति के कारण ही लुपलाइन में रखी जाने है। तथा आला अधिकारियों द्वारा उनके सी आर

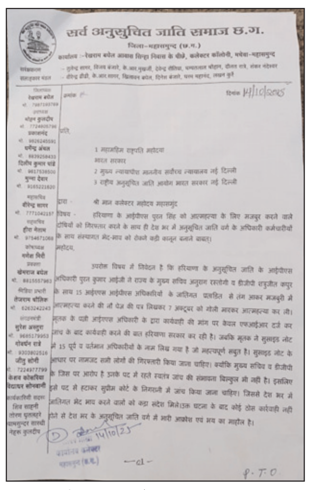

सर्व अनुसुचित जाति समाज छ.ग.

जिला-महासमुन्द (छ.ग.)

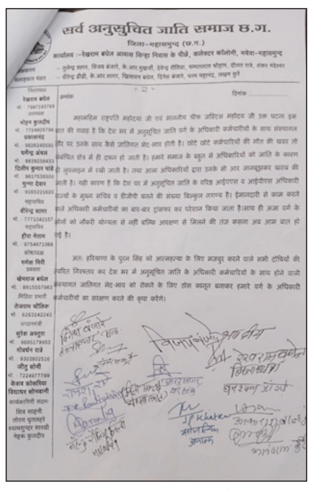

सर्व अनुसुचित जाति समाज छ.ग.

जिला-महासमुन्द (छ.ग.)

जानबूझकर खराब करने के कारण देश पर में अनुसूचित जाति के वरिष्ठ आईएएस व आईपीएस अधिकारी को राज्यों के मुख्य सचिव व डीजीपी बनने की संख्या नगण्य बताया है। ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी कर्मचारीयो का बार-बार ट्रांसफर कर परेशान करने के साथ साथ ही अजा वर्ग के लोगों को नौकरी योग्यता से नहीं बल्कि आरक्षण से मिलने की तंज कसने जैसे अहम बात को इंगित किया गया है। हरियाणा के पुरन सिंह को आत्महत्या के लिए मजबुर करने वाले सभी दोषियों की त्वरित गिरफ्तार कर देश भर में अनुसूचित जाति के अधिकारी कर्मचारियों के साथ होने वाली संस्थागत जातिगत भेद-भाव को रोकने के लिए ठोस कानून बनाकर एससी वर्ग के अधिकारी कर्मचारीयो का सरंक्षण करने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वालों में सर्व अनुसूचित जाति के सरंक्षक तुलेंद्र सागर, विजय बंजारे, देवेन्द्र रौतिया, सलाहकार दिनेश बंजारे जिलाध्यक्ष रेखराज बघेल, आनन्द कुर्रे,जे पी खटकर, आशाराम बांधे,राजेश रात्रे, घनश्याम जांगड़े, नंदकुमार कोसरे, संतराम कुर्रे , नरेंद्र रौतिया शामिल रहे।

भ्रष्टाचार की जननी और पर्याय ही कांग्रेस पार्टी है, भ्रष्टाचार के कारण प्रदेश से देश तक कुछ जेल में तो कुछ बेल में है - योगेश निक्की भाले

पाटन(समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने फुटकर व्यापारियों से मुलाकात किया। उन्होंने नया बस स्टैंड में पत्रकारों से चर्चा भी किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का ध्येय है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास इसको लेकर हम चल रहे है। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी पाटन नगर में दुकान आबंटन को लेकर केवल और केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहे है। दुकानों का आवंटन नगर पंचायत द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। पी आई सी में पास किया गया, सूचना निकाला गया, पेपर में इश्तहार दिया गया, चयन समिति द्वारा चयन किया गया। चयन समिति में भी हमने कांग्रेस के पार्षद को रखा था। हमने पाटन के छोटेङ्कछोटे व्यापारी जो बरसों से ठेले और खदर के नीचे दुकान लगा रहे थे, जिनको बरसात में बहुत तकलीफ होता था, रात को सामान को घर ले जाने फिर सुबह दुकान खोलने के लिए समान लाते थे ऐसे फुटकर व्यापारियों को हमने दुकान का आबंटन प्राथमिकता के साथ किया हैं। प्रमोद ठाकुर को दुकान का आबंटन किया है, जो होटल लगा रहे थे। दुकान मिलने से अब उनको होटल संचालन में सुविधा होगी, पाटन के प्रसिद्ध चाय व्यवसायी जेपी टी स्टॉल को दुकान दिया गया है, तारे चाट भंडार सबको पता है उनको भी हमने दुकान का आबंटन किया है, विमल देवांगन फल भंडार जो पहले पुराना बस स्टैंड में भी फल दुकान लगाते थे अब नया बस स्टैंड में लगा रहे है उन्हें भी हमने दुकान का आबंटन किया है। ऐसे अनेक व्यापारी है जो जरूरतमंद थे, उनको प्राथमिकता के साथ दिया गया है। अगर मैं पूरा का नाम गिनाउ तो समय बहुत हो

जाएगा। सभी प्रकार के व्यापार को ध्यान में रखा गया है। चाट, होटल, एगरोल, फल भंडार, चाय, गन्ना रस, जूता चप्पल, मोमोस सहित अन्य और भी है जो अब यात्रियों व ग्राहकों को सुविधा प्रदान करेंगे साथ ही फुटकर व्यापारी साथी निश्चिंत होकर व्यापार करेंगे और अपनी आय बढ़ाएंगे। भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य है सरकार की योजनाएं और लाभ अंतिम व्यक्तियों तक पहुंचे जिसको लेकर हम निरंतर कार्य कर रहे है। अभी और भी दुकान है जिनका आबंटन भविष्य में होना है। कुछ व्यापारी साथी अभी छूट गए होंगे उनको हम प्राथमिकता में रखे है और भविष्य में दुकान आबंटन होगा तो उन्हें प्राथमिकता के साथ दिया जाएगा। दुकान के संख्या के अनुरूप प्रदान किया गया है, आरोप प्रत्यारोप तो लगना स्वाभाविक है। अब कांग्रेसियों के पास कोई काम नहीं है, सत्ता चला गया है तो लाइम लाइट में बने रहने के लिए विरोध कर रहे है।

कांग्रेस पार्टी जो दुकान आबंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहीं है, वो कोरी और झूठी है। कांग्रेस पार्टी जो खुद भ्रष्टाचार की जननी है। चयन समिति में कांग्रेस के पार्षद बैठे थे अगर गलत था तो वे वहीं विरोध कर सकते थे। ये वहीं कांग्रेस पार्टी है जिनके सामने अपनी हक के लिए पाटन के फुटकर व्यापारियों को दुकान की मांग के लिए धरना प्रदर्शन करना पड़ा था और उस समय व्यापारियों को धरना को आगे नहीं बढ़ाने के लिए, व्यापारियों को आवाज को दबाने के लिए धमकाया चमकाया गया, उन्हें खदेड़ा गया था और आज ये व्यापारी हितैषी बनकर प्रदर्शन के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहे है। दुकान आबंटन को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने स्वयं अपने परिवारों के नाम से 2ङ्क3 आवेदन जमा कराएं है और कुछ के तो 3 से अधिक भी है। अगर वे इतना ही फुटकर व्यापारी हितैषी होते तो इतना फॉर्म जमा हो नहीं करते। जब हमने फुटकर व्यापारी हित में काम किया है तो इनके पेट में दर्द हो रहा है। दर्द इसलिए भी रहा है कि जनता ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार के दुकान में ताला लगा दिया है। निक्की भाले ने कहा कि मुझे कहने कि आवश्यकता नहीं है आज कौन सी पार्टी के नेता, कौन से अधिकारी, किसके इशारे पर पूरे प्रदेश को लूटने का काम किया है, भ्रष्टाचार का काला अध्याय लिखे है जो आज जेल में है। कुछ तो जेल में है और कुछ धीरेङ्कधीरे जांच के बाद जा भी रहे है अब तो डर का आलम ये भी है कि कुछ तो अग्रिम जमानत के लिए भी लग गए थे और लग रहे है। ऐसा कोई घोटाला नहीं है जो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने किया नहीं है। प्रदेश के युवाओं के हक में डाका डालकर क्क्ष्स्ष्ट घोटाला कर दिया, गौठान, गोबर, कोयला, शराब ऐसे अनेक घोटाला कांग्रेस ने किया, जिसका अंजाम आज सबके सामने है। देश और प्रदेश में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार कर अनेक घोटाले किया है। जो घोटाला किया है आज वो सत्ता से बाहर है।

पाटन नगर पंचायत में भी अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायत लगातार मिल रही है, जिसकी हम जांच कराएंगे। जिसमें कुछ प्रमुख है खोरपा खदान में पट्टा देकर जमीन आबंटन किया गया है, उसमें स्वंय खुद कांग्रेसजनों के परिवार को दिया गया है और पट्टा में कांग्रेस पार्षदों का हस्ताक्षर भी है।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में आ रहा है बदलाव

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं तेजी से लागू की जा रही हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, उज्जवला योजना से गैस कनेक्शन, हर महीने नि:शुल्क अनाज और महतारी वंदन की राशि मिलने से पेंड्रा विकासखंड के नवागांव की श्रीमती संतोषी श्रीवास सुखमय जीवन व्यतीत कर रही है। श्रीमती संतोषी ने बताया कि पक्का मकान मिलने से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

श्रीमती संतोषी श्रीवास ने बताया कि पहले उनका घर कच्चा था, जिससे बरसात के दिनों में बहुत परेशानी होती थी। घर की दीवारों में सीलन आ जाती थी, जिससे रहना मुश्किल हो जाता था। बच्चों की भी पढ़ाई में दिक्कत होती थी, क्योंकि पढ़ाई-लिखाई के लिए उचित जगह नहीं थी। परिवार की आमदनी कम होने के कारण वे पक्का घर बनवाने में असमर्थ थीं, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलने से उनका घर अब सुरक्षित, सुविधाजनक पक्के घर में बदल गया। अब उनका परिवार आराम से सुरक्षित घर में रह रहा है।

उज्ज्वला योजना ने उनकी रसोई से धुआं और लकड़ी की मशक्कत खत्म की और मुफ्त गैस कनेक्शन ने स्वास्थ्य के साथ समय और ईंधन दोनों की बचत हुई। राशन कार्ड के अंतर्गत हर माह 35 किलो चावल और महतारी वंदन योजना की 1000 रुपये की राशि से छोटे-छोटे खर्च भी आसानी से पूरे हो जाते हैं। संतोषी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा है इन योजनाओं से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां जीवन-बसर मुश्किलों से भरा था, वहीं अब पक्का घर, गैस कनेक्शन, राशन और आर्थिक सहायता से उनका जीवन आसान और सुखद हो गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रशासन की जवाबदेही और पादर्शिता को सबसे ऊपर रखा है। वे लगातार अधिकारियों और कलेक्टरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिससे योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। लाखों महिलाओं को आवास, गैस कनेक्शन, राशन, आर्थिक सहायता देने के साथ ही उन्हे स्वावलंबी बनाने प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर उच्च हुआ है। सरकार की कार्यशैली में संवेदनशीलता, गति और पारदर्शिता ने जनता में विश्वास को और मजबूत किया है।

'करते हैं जो नशा, वो सुन ले कान खोलकर' का हुआ विमोचन

रायपुर। समाज में नशे की बढ़ती लत न केवल व्यक्तियों की सेहत को बल्कि पूरे परिवार की खुशियों को लील रही है। इन्हीं सच्चाइयों को सामने लाने वाली 'गैंग्स ऑफ रायपुर' फिल्म का एक जागरूकता आधारित गीत 'करते हैं जो नशा' का विमोचन 14 अक्टूबर को रायपुर में हुआ। यह फिल्म उन कहानियों को बयां करती है, जो हमारे आसपास कहीं चुपचाप घट रही हैं। यह फिल्म सिर्फ एक रचना नहीं, बल्कि समाज को झकझोरने वाली चेतावनी है कि नशा किसी भी हाल में विकल्प नहीं हो सकता। इस फिल्म में दिखाया गया है कि नशा कैसे व्यक्ति की सोच, आत्मसम्मान और संबंधों को निगल जाता है। लेकिन फिल्म सिर्फ दुख और बर्बादी तक सीमित नहीं है, यह उम्मीद की भी बात करती है। इसका मूल संदेश है जिंदगी दोबारा भी संभाली जा सकती है, अगर इरादा मजबूत हो। फिल्म की कहानी समाज में फैली कड़वी सच्चाइयों से जुड़ी है। यह उन घरों की चीख है जहाँ नशे ने हँसी-खुशी के पल छीन लिए। फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर - प्रोड्यूसर साजिद खान, डायरेक्टर - को प्रोड्यूसर के शिव कुमार और को प्रोड्यूसर दीपेश कुकरेजा ने इसे एक सामाजिक ज़िम्मेदारी मानते हुए बनाया है। उनका मानना है कि यह फिल्म खासकर युवाओं को सोचने पर मजबूर करेगी कि नशा किसी भी रूप में समाधान नहीं, बल्कि विनाश की शुरुआत है। यह जागरूकता फिल्म विमतारा हॉल, शांति नगर, इंद्रावती कॉलोनी, रायपुर में 14 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक विमोचित की गई। इस फिल्म को युवा प्रतिभाओं की एक समर्पित टीम ने तैयार किया है। टीम का कहना है कि यह फिल्म किसी प्रचार या लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाई गई है। फिल्म का उद्देश्य बेहद स्पष्ट है ङ्क युवाओं को नशे के खतरों से आगाह करना, परिवारों को प्रेरित करना कि नशे को छोड़ा जा सकता है, और पूरे समाज में नशामुक्ति की भावना को बढ़ावा देना।

निर्माताओं का मानना है कि नशा अब केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं रहा, यह एक समाजिक संकट बन चुका है। हर दिन सैंकड़ों ज़िंदगियाँ इस जहर के कारण बर्बाद हो रही हैं। फिल्म के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नशा कभी समाधान नहीं होता, यह हमेशा बर्बादी की शुरुआत होता है। अंतत:, फिल्म 'करते हैं जो नशा' हमें यही याद दिलाती है कि अगर हमें जिंदगी से वाकई प्यार है, तो नशे से दूरी बनानी ही होगी। यही नहीं, हमें अपने आस-पास के लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करना होगा, ताकि समाज नशामुक्त और स्वस्थ बन सके।

पूनम सिंह आर्मो का नेशनल फुटबॉल टीम में चयन, सूरजपुर का नाम किया रोशन

रायपुर। कक्षा 11 वीं की छात्रा पूनम सिंह आर्मो, पिता उत्तम सिंह आर्मो, ने अपनी प्रतिभा से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पूनम का चयन नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। पूनम सिंह आर्मो सूरजपुर जिले के सेजस हिंदी माध्यम विद्यालय उमेश्वरपुर (ब्लॉक प्रेमनगर) की छात्रा है।

पढ़ाई के साथ-साथ नेशनल खेल में चयनित - पढ़ाई के साथ-साथ पूनम खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने गत वर्ष कक्षा 10 वीं में 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय और परिवार को गौरवान्वित किया था। अब नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में चयनित होकर उन्होंने दोहरा गौरव अर्जित किया है। उनकी इस उपलब्धि पर जनपद पंचायत सदस्य ने पूनम को फुटबॉल किट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

पूनम सिंह की उपलब्धि क्षेत्र का गौरव बढ़ा- पूनम के चयन से विद्यालय सहित तारकेश्वरपुर और उमेश्वरपुर गाँवों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासी पूनम की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। इस अवसर पर पूनम के कोच पीटीआई श्री रावेंद्र वर्मा, श्री अमलेश्वर पैकरा, श्री सुभाष साहू, रुनीया देवी, पुष्पा सिंह, संदीप दास एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य सचिव ने बैठक में सचिवों से विभागीय कामकाज की ली जानकारी

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में सभी विभागों के भारसाधक सचिवों से उनके विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से प्रधानमंत्री गति शक्ति में शामिल विभागों के एक्शन प्लान के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने राज्य के हित में विभिन्न विभागों की योजनाओं में और तीव्र प्रगति के लिए विभागीय कार्ययोजना बनाकर शामिल करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के मेजरमेंट और एक्शन प्लान गंभीरता के साथ तैयार करने के निर्देश दिए और शिलान्यास किए गए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कर उनका लोकार्पण कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्माण विभागों से संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे अपने विभाग द्वारा निर्माण किए जाने वाले कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराएं। मुख्य सचिव ने हाल ही में सम्पन्न कलेक्टर-कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का तीव्रता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने पी एम गति शक्ति योजना और जेम के माध्यम शासकीय विभागों में खरीदी के संबंध प्रस्तुतीकरण दिया। इसी तरह से संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. रवि मित्तल ने जनसम्पर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के संबंध प्रस्तुतीकरण के जरिये जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल मनोज कुमार पिंगुआ, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सहित सभी विभागों के सचिव शामिल हुए।

लखपति दीदी का सपना हुआ साकार - प्रीति गुप्ता

रायपुर। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) गैर कृषि क्षेत्र में विनिर्माण, व्यापार या सेवा क्षेत्रों में लगे आय सृजन करने वाले सूक्ष्म उद्यमों को 20 लाख रुपये तक के सूक्ष्म ऋण-लोन की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें कृषि से संबंधित गतिविधियाँ जैसे मुर्गी पालन डेयरी, मधुमक्खी पालन आदि शामिल हैं। यह योजना सदस्य ऋण संस्थानों द्वारा सूक्ष्म और लघु संस्थाओं की गैर कॉर्पोरेट, गैर कृषि क्षेत्र की आय-सृजन गतिविधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। ग्राम बुढाडांड की रहने वाली श्रीमती प्रीति गुप्ता आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुकी हैं, जो अपनी मेहनत और संकल्प से आर्थिक स्वतंत्रता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। प्रीति गुप्ता महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं जो अपने दुकान में सौंदर्य प्रसाधन से लेकर घरेलू सामान का विक्रय करती है। उनके चेहरे पर एक अलग ही आत्मविश्वास झलकता है। वह उत्साह से बताती है कि मुद्रा लोन की मदद से वह अपना व्यापार खड़ी कर पाई है। लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी प्रीति ने बताया कि उन्हें 01 लाख रुपए मुद्रा लोन के रूप में मिला था। आज वह अपने व्यापार से सालाना लगभग 2.50 लाख रुपए तक कमाई कर पाती है। जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा के ग्राम बुढाडांड की रहने वाली प्रीति गुप्ता ने मुद्रा लोन लेकर दुर्गा श्रृंगार एवं किराना दुकान की शुरुआत की। प्रारंभ में छोटे स्तर पर दुकान संचालित करने वाली प्रीति ने धीरे-धीरे ग्राहकों की जरूरतों को समझते हुए दुकान का विस्तार करती जा रही है। आज उनकी दुकान गांव की प्रमुख दुकानों में गिनी जाती है। सौंदर्य प्रसाधन से लेकर हर जरूरत का सामान उनकी दुकान में उपलब्ध है। मुद्रा लोन से मिली आर्थिक सहायता एवं मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि आज वे प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख का शुद्ध लाभ कमा रही हैं।

संपूर्णता अभियान, रक्त परीक्षण और पर्यटन विकास में उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले का बढ़ा मान

जिले को 6 इंडिकेटर में राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल

रायुपर। छत्तीसगढ़ के कुल 33 जिलों में जीपीएम 28 वें नंबर का नया जिला है। इसकी स्थापना 10 फरवरी 2020 को किया गया। इसके बाद 5 और नए जिलों मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और शक्ति जिले की स्थापना सितम्बर 2022 में किया गया है। आगामी 10 फरवरी 2026 को जीपीएम जिला गठन का 6 वीं वर्षगांठ मनाया जाना है। इस लिहाज से जीपीएम जिला अभी 6 साल का नन्हा बच्चा ही है। इस अवधि में जिले में अमुमन सभी क्षेत्रों-शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सामाजिक एवं अधोसंरचना में बेहतर कार्य हुए हैं। जिला प्रशासन की विशेष पहल पर पिछले लगभग एक वर्ष में आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान, समूचे जिले में एक ही दिन में एचबी रक्त परीक्षण और पर्यटन क्षेत्रों के संरक्षण एवं विकास के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले की खास पहचान बनी है और सम्मान मिला है।

नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान के अंतर्गत 6 इंडिकेटर-पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व देखभाल, ब्लॉक में लक्षित आबादी के मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पूरक पोषण, मृदा परीक्षण, स्वास्थ्य कार्ड और स्व सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड उपलब्ध कराने के साथ ही सभी 40 इंडिकेटरों को संतृप्त करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। 6 इंडिकेटर में शत प्रतिशत उपलब्धि पर जिले को राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग रहा है। 34 इंडिकेटर की उपलब्धि के लिए सभी विभागों की योजनाओं से हितग्राहियों को संतृप्त किया जा रहा है। इस अभियान में सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायत और महिला एवं बाल विकास विभाग के 98 अधिकारी-कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया गया है।

एक ही दिन में 51727 महिलाओं के द्वारा रक्त परीक्षण पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड'- एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को शामिल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा 26 जून को जिले में चलाए गए रक्त शक्ति महा अभियान में एक ही दिन में जिले की 13 से 45 वर्ष आयु वर्ग की 51 हजार 727 महिलाओं का हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कराने पर जीपीएम जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया है।

एनीमिया प्रभावित महिलाओं के लिए कार्ययोजना बनाकर लागू किया जाएगा

आदिवासी बहुल जीपीएम जिले में महिलाओं में एनीमिया का प्रभाव रहा है। शरीर में रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है, महिलाओं में एचबी की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए रक्त शक्ति महाअभियान को मूर्त रूप दिया गया। रक्त शक्ति महाभियान का उद्देश्य एनीमिया प्रभावित महिलाओं की वास्तविक जानकारी प्राप्त करना था, ताकि जिन महिलाओं में एचबी स्तर 7 ग्राम से कम है, उनके लिए पृथक से कार्य योजना बनाकर उन्हें लाभान्वित किया जा सके। इस अभियान में स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ ही जिला स्तर से लेकर मैदानी स्तर के सभी विभागों के अमले की सेवाएं ली गई।

संपादकीय

टिकाऊ शांति का रास्ता?

फिलहाल, गजा के बाशिंदों को बड़ी राहत मिली है। मगर अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने दो-राज्य सिद्धांत के तहत स्वतंत्र फिलस्तीन की स्थापना करवाने की चुनौती है, जिसके बिना कोई समझौता स्थायी शांति नहीं ला पाएगा। इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के पहले चरण पर सहमति बनने के साथ गज़ा में लड़ाई रुकने की संभावना मजबूत हुई है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की 20 सूत्री शांति योजना के तहत हुआ। इसके मुताबिक इजराइल हमले तुरंत रोकने और गज़ा से अपनी फौज की आंशिक वापसी पर राजी हुआ है। बदले में हमास 20 जिंदा इजराइली बंधकों और 28 बंधकों के शव लौटाएगा। इजराइल उम्र कैद काट रहे 250 से अधिक फिलस्तीनियों को रिहा करेगा। इसके अलावा वह 1,700 उन फिलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिन्हें सात अक्टूबर 2023 के बाद से उसने हिरासत में ले रखा है। इसके बाद क्या होगा, इस पर शांति समझौते के दूसरे चरण में बातचीत होगी। इस दौरान गजा में राजनीति प्रशासन एवं सुरक्षा का नया ढांचा बनाने के सवाल पर वार्ता होगी। इस पर रजामंदी होना ज्यादा मुश्किल हो सकता है। हमास ने कहा है कि 'राष्ट्रीय स्वतंत्रता और आत्म-निर्णय का अधिकार' हासिल करने के संकल्प पर वह अडिग है। गज़ा का प्रशासन फिलस्तीनियों के हाथ में रहे, इसे वह सुनिश्चित करेगा। क्या इजराइल इसके लिए राजी होगा? या इस सवाल पर बातचीत टूट जाएगी और फिर से गजा में मानव संहार का नजारा देखने को मिलेगा? ये इस समय सबसे प्रासंगिक प्रश्न हैं। हमास ने टिकाऊ शांति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी समझौते के गारंटर ट्रंप तथा उन अरब- इस्लामी देशों पर डाली है, जिनके हस्तक्षेप से समझौते का पहला चरण संपन्न हो सका। आम समझ है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समझौते के लिए तैयार नहीं थे, मगर ट्रंप का दबाव निर्णायक साबित हुआ। ट्रंप ऐसे ही रुख पर कायम रहे, तो शायद बात आगे बढ़ सकेगी। फिलहाल, गजा के बाशिंदों को बड़ी राहत मिली है। इजराइली हमलों में लगभग 67,000 लोग मारे गए। गजा का बुनियादी ढांचा लगभग तबाह हो गया है। अब उसके पुनर्निर्माण और वहां बचे लोगों को नई जिंदगी देने की चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने है। मगर उसके सामने उससे भी बड़ी चुनौती दो-राज्य सिद्धांत के तहत स्वतंत्र फिलस्तीन की स्थापना करवाने की है, जिसके बिना कोई समझौता स्थायी शांति नहीं ला पाएगा।

भाजपा ने बिहार खरीदा, जीत लिया!

हरिशंकर व्यास

हो सकता है मैं गलत हूं, फिर भी मेरा मानना है बिहार मोदी-शाह की गोद में है। तेजस्वी, राहुल गांधी, प्रशांत किशोर किसी का कोई अर्थ नहीं। इन सबकी याकि विपक्ष की दिक्कत है जो नहीं समझते कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह चौबीस घंटे सत्ता की भूख में जीते हैं। कैसे भी हो सत्ता में रहना है। सोचें, ईस्ट इंडिया कंपनी के बनिया अंग्रेज और मोदी-शाह में क्या समानता है? फूट डालो, राज करो और खरीदो! त्रासद है उस इतिहास को याद कराना। पर तथ्य याद करें कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1757 में पलासी और 1764 में बक्सर के युद्ध को जीता था तो उसमें तब बिहार भी था। पता है क्लाइव की सेना में कुल तीन हजार सैनिक थे! इसमें गोरे सैनिक केवल आठ सौ थे! जबकि हिंदुस्तानी सेना में पचास हजार सैनिक थे। मगर क्लाइव ने स्थानीय जगत सेठों के पैसे का इस्तेमाल किया। मीर जाफर और उनके सैनिकों को खरीद लिया। सो, अंग्रेज बनिया जीते और फिर दो सौ साल बंगाल, बिहार और उड़ीसा को लूटा। सो, बांटना, जीतना, लूटना अंग्रेजों का बताया मंत्र है। भला मोदी-शाह की ईस्ट इंडिया कंपनी याकि क्रोनी जगत सेठों के हिस्सेदारी वाली कंपनी क्यों चूके? ध्यान रहे बिहार को मोदी-शाह की टीम ही चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जनता दल यू पूरी तरह मोदी-शाह की राजनीति, प्रबंधकीय व्यवस्थाओं, वोट पकाने की असेंबली लाइन से निर्देशित हैं। मैंने 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव के बाद विश्लेषण किया था कि चुनाव का मतदान अब मोदी-शाह की असेंबली लाइन में धड़ाधड़ वोटों का उत्पादन है। इसलिए क्योंकि दोनों की गणित में ए टू जेड के सभी विकल्प हैं, जुमले हैं, प्रबंधकीय व्यवस्थाएं हैं। और यह सत्य लगातार साबित हुआ है। बिहार के मामले में अपने को इसलिए दिलचस्पी थी क्योंकि प्रशांत किशोर बिहार और मोदी-शाह को गहराई से जानते-समझते हैं तो वे कुछ ऐसा नया, अनहोना करेंगे जिससे कुछ उलटफेर हो। पर वे भी फेल होते लगते हैं। इसलिए क्योंकि उन्हें यह अनुमान नहीं रहा होगा कि चुनाव से ऐन पहले लगभग पूरी आबादी को अलग-अलग टुकड़ों में बांट, उनके अलग-अलग प्रतिनिधि ग्रुप बनाकर सीधे खातों में इतनी नकदी पहुंचा दी जाएगी कि घर-परिवार के लोग बाकी सब भुला देंगे। मेरा मानना है महिलाओं के खातों में दस हजार रुपए की नकदी पहुंचाना निर्णायक है। जिस प्रदेश में कुछ सौ रुपए, हजार-दो हजार रुपए के लिए लाठी चले, जान चली जाए वहां दस-दस हजार रुपए महिला के खाते में पहुंचे और उस पैसे से छठ का त्योहार मने तो वह तो उनके लिए अमृतकाल ही होगा! कहते हैं इतनी स्कीमों, इतने बहानों की आड़ में सरकार से बिहार में पैसा बंटा है कि कोई हिसाब नहीं लग सकता। तभी ईवीएम से कथित धांधली या चुनाव आयोग की हेराफेरी या हिंदू बनाम मुस्लिम की बिहार में जरूरत नहीं होगी। बिहार का यह चुनाव सरकारी पैसे से जीता जाएगा। चुनाव में वादों से पहले ही जब पैसा बंट गया है, लोगों को खरीद लिया है तो चुनाव में भी वादों व खैरात के अलग नैरेटिव और जमीनी प्रबंध होंगे। इसलिए भाजपा-जनता दल यू की छप्पर फाड़ जीत तय है। तभी तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, इनके वामपंथी सहयोगी और प्रशांत किशोर धूल में लट्ठ मारते हुए हैं। प्रशांत किशोर की पहली उम्मीदवार लिस्ट में जातीय समीकरणों की चिंता है। मतलब लालू-तेजस्वी और राहुल गांधी की जातिवादी राजनीति की छाप। कोई भी नेता या पार्टी बिहार की दशा (35 साल की मंडल राजनीति में) के हवाले मतदाताओं में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी-बेगारी, असमानता, लूट-खसोट तथा कानून-व्यवस्था की स्थितियों, अपराध आदि का मसला-मुद्दा उभार नहीं पा रहा है। तेजस्वी ने पिछली बार रोजगार का हल्ला बनाया था, अभी भी हर घर में एक सरकारी नौकरी जैसी बात है पर इससे यादव नौजवानों का जनसभाओं में रैला भले बन जाए मगर मोदी-शाह ने पहले ही घर-घर अपने वोट पका लिए हैं। इसलिए बिहार का नतीजा वैसा ही होगा जैसे सौदेबाज-धंधेबाज अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1776 में लड़ाई जीती थी।

धौंस-धमकान की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

धमकाने और धौंस की नीति पर चल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी झूठी चौधराहट और खनिजों के चक्कर में लगता है दुनिया के देशों में अमेरिकी विरोधियों की बड़ी फौज ही तैयार करते जा रहे हैं। शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफके अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है। कनाडा को अमेरिका का नया राज्य बनाने और रुस यूक्रेन युद्ध के पीछे के अमेरिकी एजेंडे को आज दुनिया क देश समझ ही चुके हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ डिनर के माध्यम से अमेरिका के गिरते स्तर को दुनिया क देश देख ही चुके हैं। भारत जैसे देश से पंगा लेना सबके सामने हैं। पाकिस्तान पर भी खनिजों के चक्कर में डोरे ड़ाले जा रहे हैं। देखा जाए तो ट्रंप का रवैया जिस तरह का दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद देखने को मिल रहा है वह गली मौहल्ले के गुंडे मवाली जैसा ही दिखाई देने लगा है। दुनिया के देशों को धमकाना जैसे ट्रंप का काम ही हो गया हो। दुनिया के देशों में युद्ध समाप्त कराने का झूठा तमगा पहनने के प्रयास और शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नोबल संस्था तक को धमकाने के कुत्सित प्रयास से ट्रंप स्वयं और अमेरिका दोनों की ही हेठी कराने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। चीन से पहले भारत पर भी 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने और वीजा नियमों में बदलाव से अपने ही पांवों में ठोकर मारी है। हालांकि भारत किसी भी तरह के ट्रंप के दबाव में नहीं आया और सबसे बड़ी तोहिन तो यह रही कि भारत ने इस पर प्रतिक्रिया तक व्यक्त करने की जेहमत नहीं उठाई जिसके कारण अमेरिका का तमतमाना लाजिमी भी हो जाता है। अमेरिका ने भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सोचा था

कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नये बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का लगता है भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रुप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेंगी ही। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और ही बढ़ेगा। लगता तो यहां तक है कि आने वाले समय में अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं से शून्य हो जाएगा और अमेरिकी प्रतिभाओं को आगे आना इतना आसान भी नहीं होगा। इधर ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई चौड़ी होती जा रही है।

बीसवीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विश्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देषों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाये जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबकों एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना यह होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह रहा है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। एक तरफ अमेरिका की जरुरतों को पूरा करने में जुटे विदेशी देषों के उत्पाद महंगे होंगे तो दूसरी और अमेरिकी इकोनोमी पर भी निश्चित रुप से विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक आदि को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरुरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती हैं। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफवार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किये हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है। लगता है ट्रंप अमेरिका को आत्मघाती गोल की तरफ ले जा रहा है।

दुनिया के देशों को वैश्विक ग्राम की परिकल्पना को ही आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया और दुनिया के देश कहां खड़े हैं यह कोरोना काल में सबको पता चल चुका है। इसके साथ ही जिस तरह से युद्ध और वैश्विक अशांति के चलते पलायन का दौर चला है उसका खामियाजा फ्रांस सहित योरोपीय देश भुगतने लगे हैं। ऐसे में समय रहते नीतियों मे बदलाव जरुरी हो जाता है। जिस तरह से तकनीक ने एक दूसरे को नजदीक लाने का प्रयास किया है उसे आगे बढ़ाना वैश्विक नेताओं का दायित्व हो जाता है। आज एकला चालो रे की नीति से आगे बढ़ने और कुछ पाने की कल्पना करना बेमानी होगा, यह देर सबेर समझना ही होगा।

हिंदू को बांटो, लड़ाओ, खरीदो और बनाओ गंवार!

हरिशंकर व्यास

सोचें, भारत में सामाजिक (हिंदू) समरसता का कौन सा मॉडल प्रदेश है? मेरा मानना है मध्य प्रदेश! और वहां अभी क्या हल्ला हुआ? भाजपा ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने के कमलनाथ सरकार के पुराने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद की है कि कांग्रेस कई वर्षों तक सत्ता में रही लेकिन उसने किसी वर्ग के साथ न्याय नहीं किया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। हमें उम्मीद है कि अदालत मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देगी। अर्थात भाजपा/संघ परिवार/ मोहन यादव सरकार राज्य की ओबीसी (51 प्रतिशत), अनुसूचित जाति (एससी) 15.6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1 प्रतिशत के तीनों वर्गों की राज्य में कथित 87 प्रतिशत आबादी के अनुपात में आगे आरक्षण का झुनझुना/रोडमैप सोचे हुए है।

और यह सब मोदी सरकार की 11 वर्षों की राजनीति का नतीजा है। जैसे भी हो सत्ता बनाए रखने की जिद्द की इस राजनीति ने कांग्रेस और राहुल गांधी को यदि जितनी आबादी, उतना हक़ के एजेंडे की ओर धकेला है तो सुप्रीम कोर्ट तथा जनगणना से भाजपा हिंदू समाज को आगे और बिखेरने वाली है।

कैसे? मोदी सरकार 2027 में जनगणना कराएगी। अंग्रेजों की कराई 1931 की जाति जनगणना के लगभग सौ साल बाद स्वतंत्र भारत की पहली बार फिर जाति जनगणना होगी। यह जनगणना जाति के साथ उपजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े जैसे अलग-अलग समूहों के खांचों में होगी। जैसे कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार लिंगायतों को बांटने, हिंदू धर्म से उन्हें अलग करने, लिंगायत के भीतर लिंगायत बनाम वीरशैव का झगड़ा बनाने की कोशिश में है वैसे ही अगली जनगणना में पिछड़ों में अति पिछड़ों का वर्गीकरण भी बनेगा। मतलब अति पिछड़ों के वर्गीकरण में यदि हिंदू जाट की उपजातियों जैसे बैंस, भुल्लर, अटवाल आदि की आर्थिक हैसियत के आगे पिछड़े, अति पिछड़े जाट के समूह बने तो आश्चर्य नहीं होगा! क्योंकि जाति जनगणना के पीछे एकमेव मंत्र 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले हिंदुओं को इतना और बांटना है कि मोदी नए वर्ण विभाजन के फार्मूलों में योजना, स्कीम बना कर लोगों के खाते में पैसे डालने के नए फैसले ले सकें, जिससे वोट पके। मतलब ताजा बिहार मॉडल की तरह 2029 में अखिल भारतीय स्तर पर बांटो, लडाओ (जातीय पहचान-हक-आरक्षण की भूख में) के साथ स्कीमों व आरक्षण के जरिए वोट पटाने का महाअभियान! मतलब राहुल गांधी, कांग्रेस, तेजस्वी याकि जातीय-क्षेत्रिय राजनीति के धुरंधरों की पिछड़ा-दलित-आदिवासी राजनीति को जनगणना और उसके बाई प्रोडक्ट की योजनाओं-घोषणाओं-झांसों के महाप्रोपेगेंडा से खारिज करा देना। भयावह सिनेरियो है। मगर अंग्रेजों ने जैसे 1905 में बंग-भंग से बीज बो कर 1947 में हिंदू-मुस्लिम विभाजन तय कराया वैसे नरेंद्र मोदी दिल्ली के वे आखिरी हिंदू शासक संभावी हैं, जिनकी जातीय जनगणना और जातीय आरक्षण की आग में हिंदू राष्ट्रवाद वैसे ही मिट्टी में मिलेगा देने जैसे पृथ्वीराज चौहान के आखिरी शासन की आखिरी हिंदू सत्ता थी! विदेशी गुलामी से पहले की!

सोचें, हिंदू मोदी राज में कैसा-क्या है? आरक्षण व्यवस्था लागू होने के 75 वर्ष बाद भारत का दलित चीफ जस्टिस, दलित आईपीएस एडीजीपी, एक दलित कांस्टेबल की हालिया प्रतिनिधि घटनाओं, व्यवहार, अनुभव से क्या यह नहीं मालूम होता कि आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह फेल है! इसने हिंदू समाज में समानता की बजाय समरसता, परस्पर मान-सम्मान, सद्भावपूर्ण व्यवहार को न केवल और खराब किया है, बल्कि जातीय पूर्वाग्रहों, वैमनस्य, दुराव, नीचताओं की हद पार करा दी है।

सचमुच हर हिंदू को (जितनी आबादी, उतना हक़ का सामाजिक न्याय चाहने वालों को अवश्य) हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस एडीजीपी पुरण कुमार के सुसाइड नोट तथा घटना के बाद उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी अनमित कुमार की शिकायत-एफआईआर को पढ़ना चाहिए। समझ आएगा कि आरक्षण की व्यवस्था ने हिंदू समाज को मानसिक उत्पीडन की भट्ठी बना दिया है। पूरा समाज, पूरी आबादी जल रही है, खोखला गई है। जिसे आरक्षण मिला और जिसे नहीं मिला, सभी भूख, उत्पीडन, जलालत, भेदभाव की भट्ठी में जलते हुए है। सोचें, भारत के चीफ जस्टिस गवई पर! भारत राष्ट्र की सत्ता-व्यवस्था के एक स्तंभ न्यायपालिका के प्रमुख। वे आरक्षण से नहीं बने। पर आरक्षण से चिन्हित हुई जाति के वे पर्याय दलित हैं तो उन पर जूता फेंकना सोशल मीडिया में आज तर्कसंगत व प्रशंसनीय है या फिर हिंदू धर्म को गालियां हैं तो सत्य क्या जाहिर? पूरा समाज ही आरक्षण से मानसिक रोगी है। सोचें, तब भारत राष्ट्र-राज्य कैसा रोगी, खोखला, अशक्त और असहाय है! इसे नई ऊंचाईयां मोदी राज से हैं। नरेंद्र मोदी से पहले तक कांग्रेस, भाजपा, लेफ्ट के राष्ट्रीय राजनीति के नैरेटिव में मंडल-कमंडल दोनों सीमाबद्ध थे। पर अब यदि राहुल गांधी का जितनी आबादी, उतना हक़ का पागलपन है तो वजह मोदी-शाह द्वारा जात राजनीति, पिछड़ावाद से वोट प्रबंधन हैं। मोदी सरकार ने पूरी राजनीति को ही जब धर्म, जात, पैसे और लोगों को गंवार बनाने के प्रोपेगेंडा की फैक्टरी में कनवर्ट कर दिया है तो विपक्ष क्या करेगा? यह नोट रखें कि जो दिशा है उसमें मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट से आरक्षण की सीमा 75-84 प्रतिशत (मतलब जितनी आबादी, उतना हक़) बढ़वा देगी। वही जातीय जनगणना के बाद फिर 2029 के चुनाव में प्राइवेट क्षेत्र में आरक्षण लागू कराने का वादा होगा! इसलिए क्योंकि चुनाव किसी भी सूरत में जीतना है। फिर यों भी भारत को आगे बुद्धि, काबलियत की जरूरत नहीं है। अमेरिकी कंपनियों की एआई (कृत्रिम बुद्धि-काबलियत) से ही भारत चलना है।सो मोदी-भाजपा-संघ की यह आखिरी देन तय है जो भारत हर तरह से गुलाम, अक्षम, नाकाबिल और पूरी तरह से जातियों-धर्म की जिद्द में लड़ता-झगड़ता-मनोरोगी होगा!

पाकिस्तान विरोधी पॉल कपूर को ट्रंप ने दक्षिण एशिया का प्रभारी बनाकर इस्लामाबाद को झटका दे दिया

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए भारतीय मूल के प्रोफेसर एस. पॉल कपूर की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक राहत के रूप में देखी जा रही है। पॉल कपूर, जो लंबे समय से दक्षिण एशियाई सुरक्षा, परमाणु नीति और आतंकवाद पर अपने कठोर विश्लेषणों के लिए जाने जाते हैं, अब उस पद पर आसीन हुए हैं जहाँ से अमेरिका की भारत, पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश के प्रति नीतियाँ तय होती हैं।

यह नियुक्ति ऐसे समय आई है जब अमेरिकी नीतियों में भारत के प्रति तनाव दिखने लगा था— विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क और व्यापारिक मतभेदों के कारण। ऐसे में कपूर की नियुक्ति अमेरिका-भारत संबंधों के लिए 'कूटनीतिक मरहम' के रूप में मानी जा रही है।

कौन हैं पॉल कपूर और क्यों भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं? यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि नई दिल्ली में जन्मे पॉल कपूर भारतीय पिता और अमेरिकी माता के पुत्र हैं। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी की है और लंबे समय से अमेरिकी नौसेना के पोस्टग्रेजुएट स्कूल तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन से जुड़े हुए हैं। वह उन कुछ विद्वानों में से हैं जिन्होंने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरी अकादमिक और व्यावहारिक समझ बनाई है।

उनकी पुस्तकों Jihad as Grand Strategy ¥õÚU Dangerous DeterrentÑ Nuclear

Weapons Proliferation and Conflict in South Asia में पाकिस्तान की नीतियों को उन्होंने राज्य प्रायोजित उग्रवाद कहा है, न कि अस्थिरता की परिणति। यह दृष्टिकोण अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति एक कठोर रुख की वकालत करता है। कपूर का यह विश्लेषण भारत के लिए राहतकारी है, क्योंकि अब दक्षिण एशिया मामलों में निर्णय-प्रक्रिया ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो पाकिस्तान की दोहरी नीति को अच्छी तरह समझते हैं।

इससे पहले कपूर ट्रम्प प्रशासन के नीति नियोजन विभाग में काम कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने इंडो-पैसिफिक रणनीति के निर्माण में भूमिका निभाई थी। यानी वह न केवल एक अकादमिक हैं, बल्कि नीति-निर्माण की मशीनरी से भी भली-भाँति परिचित हैं। उनकी नियुक्ति से यह स्पष्ट संकेत जाता है कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया को केवल पाकिस्तान या अफगानिस्तान के संदर्भ में नहीं, बल्कि भारत-केंद्रित दृष्टि से देखना चाहता है।

कपूर की नियुक्ति भारत के लिए राहत क्यों है? यदि इस पर चर्चा करें तो हमें यह देखना होगा कि पॉल कपूर का विचार है कि पाकिस्तान का आतंकवादी ढाँचा कोई आकस्मिक तत्व नहीं, बल्कि उसकी राष्ट्रीय रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। इसका सीधा अर्थ है कि वे अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति किसी नरमी के पक्षधर नहीं हैं। उनकी सोच के अनुसार, जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को नीतिगत औज़ार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक दक्षिण एशिया में स्थायी शांति असंभव है।

भारत के दृष्टिकोण से यह अत्यंत अनुकूल है, क्योंकि बीते वर्षों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कई बार ऐसे संकेत मिले थे कि वॉशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से रणनीतिक महत्व देने लगा है—खासकर अफगान मोर्चे पर। कपूर की उपस्थिति इस संतुलन को भारत की ओर झुका सकती है।

दूसरी ओर, 21 अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को पत्र लिखकर भारत के साथ संबंध सुधारने की खुली वकालत की है। यह पत्र ऐसे समय आया है जब अमेरिकी व्यापार नीतियों से दोनों देशों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। इन सांसदों में भारतीय मूल के रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम जैसे नेता शामिल हैं, जो अमेरिकी राजनीति में 'सामोसा कॉकस' के रूप में जाने जाते हैं।

इन सांसदों ने पत्र में चेतावनी दी है कि भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाने की नीति न केवल दोनों देशों के उद्योगों को नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि इससे भारत को चीन और रूस जैसे अमेरिका-विरोधी देशों के करीब धकेला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत क्वाड समूह (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) का अहम स्तंभ है और इंडो-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव का सबसे मज़बूत संतुलन है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत-अमेरिका का व्यापार दोनों देशों में लाखों नौकरियों को सहारा देता है और कई अमेरिकी कंपनियाँ भारत पर निर्भर हैं— चाहे वह सेमीकंडक्टर उत्पादन हो, स्वास्थ्य सेवा हो या ऊर्जा क्षेत्र। सांसदों का कहना है कि यह टैरिफ नीति अमेरिका के अपने उपभोक्ताओं के लिए भी महँगी साबित हो रही है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अमेरिकी उद्योग को कमजोर कर रही है।

देखा जाये तो कपूर की नियुक्ति और अमेरिकी सांसदों की चिट्ठी, दोनों घटनाएँ एक साथ यह संकेत देती हैं कि अमेरिकी प्रतिष्ठान के भीतर भारत को लेकर सहमति बन रही है कि नई दिल्ली अब केवल सहयोगी नहीं, बल्कि रणनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है। ट्रम्प प्रशासन की अब तक की नीति, जो कभी चीन पर कठोर और भारत पर अनिश्चित रही, शायद कपूर जैसे विशेषज्ञ के आने से अधिक संतुलित और भारत-पक्षीय हो सकती है। वहीं 21 सांसदों की पहल यह दर्शाती है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अब अमेरिकी नीति-निर्माण पर प्रभाव डालने की स्थिति में आ चुका है। देखा जाये तो दक्षिण एशिया की जटिल राजनीति में पॉल कपूर का आगमन एक नया मोड़ है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो भारत की चिंताओं को न केवल समझते हैं, बल्कि उन्हें अमेरिकी रणनीति में केंद्रीय स्थान देने की क्षमता रखते हैं। साथ ही, अमेरिकी कांग्रेस में उठी भारत समर्थक आवाज़ें यह दर्शाती हैं कि वॉशिंगटन में भी अब यह समझ बन रही है कि भारत के बिना एशिया में स्थिरता की कल्पना असंभव है। बहरहाल, कपूर की नियुक्ति और सांसदों की पहल, दोनों मिलकर यह संकेत देती हैं कि भारत-अमेरिका संबंध शायद एक नए रणनीतिक पुनर्जागरण के मुहाने पर हैं।

बिना थकावट ही हांफने लगते हैं आप?

एक्सपर्ट से जानिए इसके कारण

लगातार या हैवी काम करते हैं, तो इससे शरीर थकने लगता है। लेकिन कई बार हमें कम मेहनत करने पर भी हांफने या थकावट की समस्या होने लगती है। वहीं, अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है, तो इसका कारण किसी तरह ही स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। ऐसे लक्षणों को महसूस करना बिल्कुल भी सामान्य नहीं हैऐसी स्थिती में सांस का अचानक भारी होना या सांस लेते समय छाती में जकड़न महसूस होने जैसी दिक्कत हो सकती है। धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल में इंटरल मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ। पंकज वर्मा कहते हैं कि बिना कोई काम किए बार-बार थकने की समस्या का कारण खराब डाइट या फिर कुछ मेडिकल कंडीशन भी हो सकती है।

एनीमिया हो सकता है कारण

एक्सपर्ट कहते हैं कि एनीमिया के कारण शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाने के कारण हांफने की समस्या हो सकती है। जब खून में हीमोग्लोबिन कम होता है, तो ऑक्सीजन का फ्लो कम हो जाता है। इससे भी सांस लेने में भारी महसूस हो सकता है।

दिल संबंधी दिक्कत

अगर आपका दिल सही तरीके से काम नहीं कर रहा तो भी शरीर के अलग-अलग अंगों तक ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं हो पाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि हार्ट वाल्व में फेलियर होने के कारण भी हांफने की दिक्कत हो सकती है।

तनाव और चिंता

शायद आपको भी यकीन न हो पाए लेकिन तनाव और चिंता भी थकावट का कारण बनते हैं। ज्यादा तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। इससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

एक्सपर्ट से जानिए कैसे करें बचाव

अपनी डाइट में आयरन, विटामिन बी-12 और फोलिक एसिड वाली चीजों को शामिल करें। इससे खून मेंऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें। ब्रीदिंग एक्सरसाइज करना भी काफी फायदेमंद होगा। अगर बार-बार हांफने की समस्या हो रही है तो डॉक्टर की सलाह लें और अपने खून की जांच करवाएं। स्ट्रेस यानी मानसिक तनाव को कम करने के लिए मेडिटेट करें। आप योगाभ्यास भी कर सकते हैं।

सेहत के लिए लाभकारी योगा

योग सेहत के लिए लाभकारी है। यह आपको आंतरिक व बाहरी सुख प्रदान करने में सहायक होगा। आज के समय में महिलाओं की भूमिका बदल सी गई है। यानी की ये घर की ज़िम्मेदारी के साथ बाहरी में दुनिया के प्रति अपने कर्तव्य को अच्छे निभा रही हैं। ऐसे में योग का उनके जीवन में होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इन दायित्वों को निभाने के लिए महिलाओं को अधिक ऊर्जावान व संतुलित बनना होगा। जिसमें योग उनकी काफी मदद कर सकता है। योग उन्हें इन चीजों को करने के लिए आवश्यक सभी ख़ूबियाँ प्रदान करेगा। यहां हम कुछ योगासन के बारे में जानकारी देने से जा रहे हैं जिनके अभ्यास से निश्चित ही आपको लाभ होगा। । तो आइये जानते आपके लिए कौन से योग है फ़ायदेमंद –

कपालभाति

कपालभाति को करने से भी अभ्यासकर्ता को काफी लाभ मिलता है। इस आसन को करने के लिए आपको प्राणायाम के आसन में ही बैठना है इसके बाद आपको संतुलित गति से सांस को भरना है और छोड़ना है। इस क्रिया को आप अपने क्षमता अनुसार कर सकती है। ध्यान रहे सांस लेने व छोड़ने की गति अधिक तेज न हो। दोनों में संतुलन बना रहे।

आसन से लाभ

इस आसन के लाभ की बात की जाए तो महिलाओं के लिए काफी फ़ायदेमंद है। इससे आपके बाल झड़ना बंद हो जाते हैं। महावारी के समस्या से राहत मिलती है। गर्भाशय के गांठों में असरदार साबित होता है।

उत्तानासन

इस आसन को करने के लिए आपको सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, इसके बात सांस लें और नीचे की ओर जाएं। आप आपको अपने हाथों से अपने पिंडलियों (पैर का पिछला हिस्सा ऐड़ी के 4 इंच ऊपर) पर ले जाएं। अब आपको अपने सीने को घुटनों से सटानेकी कोशिश करें। कुछ समय के लिए स्थिति में बने रहे। इस दौरान आपको संतुलित रूप से सांस लेते रहना है। इस आसन को आप 8 से 10 बार दोहराएं।

आसन से लाभ

उत्तानासन का अभ्यास करने से पेट और कमर के आस-पास की बढ़ी हुई चर्बी कम हो जाती है। यह बॉडी को सही शेप में ले आती है। इसके साथ ही यह आसन कंधे और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है।

प्राणायाम

प्राणायाम कई प्रकार के हैं परंतु आपको यहां सबसे आसान वाले को करना है। यानी की यह प्राणायाम के सबसे सामान्य प्रकार है परंतु इसका काफी लाभ है। इसे करने के लिए आपको सबसे पहले सुखासन या पदमासन में बैठना है इसके बात आपने हाथों को सीधे धुटने पर रखना है। अब आपको लंबी सांस लेनी है और कुछ समय के लिए रोकने के बाद ओम शब्द का उच्चारण करते हुए सांस को छोड़ना है। ऐसा आप दस से पंद्रह बार कर सकती हैं।

आसन से लाभ

प्राणायाम उन आसनों में से एक है जो आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा। इसके साथ ही इससे आपको तनाव से राहत मिलेगा। इसके अभ्यास से आप अपने ज्ञान चक्र को जागृत करने में सफल हो सकते हैं। प्राणायाम का अभ्यास करने से आपकी सोचने व समझने की क्षमता में इज़ाफा होता है।

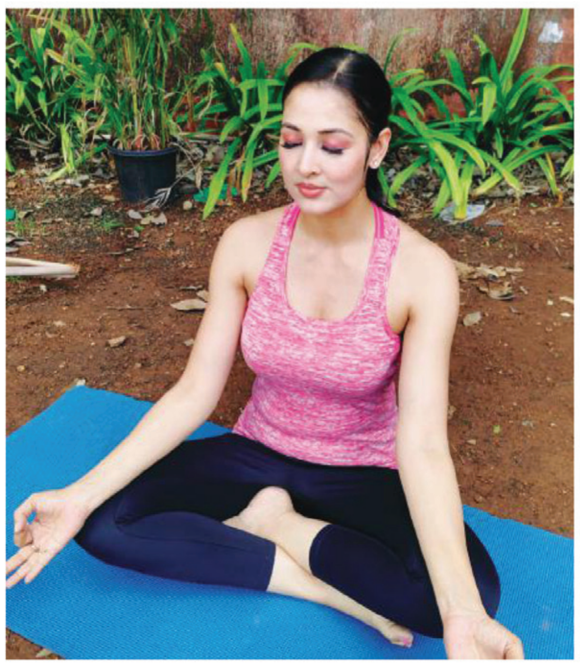

सर्वांगासन

सर्वांगासन करने के लिए सबसे पहले आपको लेट जाना है। इसके बाद आपको अपने पैरों को ऊपर की ओर ले जाना है। फिर अपने पीठ को दोनों हाथों से सहारा दें और अपने पैरों को ऊपर की ओर जितना हो सके उतना ऊपर ले जाएं। ध्यान रहे की आपका कंधा ज़मीन पर ही रहे। इसी के बल आपको खड़े रहना है। इस स्थिति में सामर्थ के हिसाब से बने रहें। सांस लेते व छोड़ते रहना है।

आसन से लाभ

सर्वांगासन को चमकदार त्वचा के लिए सबसे उपयुक्त आसन माना जाता है। आसन के अभ्यास से त्वचा की सेहत सुधरती है बल्कि इससे चेहरे की कोशिकाओं में रक्त संचार भी बढ़ता है।

टाइल में आई दरार को सही करने के टिप्स

आजकल मार्बल और फर्श का जमाना गया, जमाना है चमचमाती टाइल्स लगवाने का। आपने नोटिस किया ही होगा कि पहले जहां लोग सिर्फ घर के बाथरूम या किचन में ही टाइल्स लगवाते थे, वहीं अब घर के हर हिस्से में इसने अपना कब्जा जमा लिया है। एक तो ये देखने में भी खूबसूरत होती हैं और क्लीन करने में भी आसान। ऐसे में अधिकतर लोग अपने घरों में आजकल टाइल्स लगवाना ही प्रिफर करने लगे हैं। हालांकि कई बार टाइल्स पर दरार आ जाती है, जो देखने में बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती और इसमें गंदगी भी जमा होने लगती है। ऐसे में एक ही ऑप्शन बचता है कि टाइल को रिप्लेस कर दिया जाए, लेकिन बार-बार टाइल्स को बदलना तो पॉसिबल है नहीं। तो क्यों ना टूटी हुई टाइल को ही रिपेयर कर दिया जाए। जी हां, एक आसान टिप्स से आप टाइल में आई दरार को चुटकियों में सही कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे।

आपको पड़ेगी बस इन चीजों की जरूरत टाइल में आई दरार को रिपेयर करने के लिए आपको जिन चीजों की जरूरत पड़ेगी वो हैं - इपोक्सी लिक्विड, व्हाइट सीमेंट, कॉटन या माइक्रोफाइबर क्लॉथ, टूथपिक, डिश वॉश लिक्विड और पानी। इनमें से काफी चीज़ों आपको बड़ी ही आसानी से पेंट की शॉप पर मिल जाएंगी। इसके अलावा रिपेयरिंग के दौरान हाथों की सेफ्टी के लिए ग्लव्स और साथ ही सीमेंट की धूल से बचने के लिए मास्क खरीदना बिल्कुल ना भूलें।

दरार की रिपेयरिंग से पहले टाइल को करें क्लीन

रिपेयरिंग के प्रोसेस को शुरू करने से पहले, दरार के अंदर जमी हुई गंदगी को अच्छे से साफ करना जरूरी है। दरअसल टाइल में दरार आने से उसके अंदर धूल-मिट्टी जमा हो जाती है और इसकी मौजूदगी में दरार को फिक्स करना पॉसिबल नहीं है। इसलिए इसे अच्छे से साफ करने के लिए इस पर डिशवॉश लिक्विड डालें और फिर इसे साफ करने के बाद पानी से धो दें। इसके बाद कॉटन या माइक्रो फाइबर क्लॉथ से फ्लोर को अच्छे से पोछकर सुखाएं। जब फ्लोर अच्छे से सूख जाए तब रिपेयरिंग का प्रोसेस शुरू करें।

यूं करें दरार को सही

टाइल्स की दरार को सही करने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में इपोक्सी लिक्विड और सीमेंट लें। अब इसमें पानी की थोड़ी-थोड़ी मात्रा मिलाते हुए एक गाढ़ा सा पेस्ट तैयार कर लें। जब पेस्ट बनकर तैयार हो जाए तब इसे टूटी हुई टाइल पर, दरारों में भरते हुए अच्छे से स्प्रेड कर दें। पतली दरारों में पेस्ट को भरने के लिए आप टूथपिक की मदद ले सकते हैं। जब यह पेस्ट टाइल की दरारों पर अच्छी तरह से फैल जाए तो इसे लगभग 15 से 20 मिनट सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद टाइल पर फैले एक्स्ट्रा पेस्ट को खुरचकर हटा दें और एक बार फिर डिशवॉश लिक्विड से टाइल को साफ कर दें। इस तरह आसानी से टाइल की दरारें फिल हो जाएंगी। हालांकि ध्यान रहे इस काम को करते समय हाथों में ग्लव्स और मुंह पर मास्क जरूर पहनें।

जले हुए बर्तन से दाग कैसे हटाएं

फेमिली बड़ी हो या छोटी रोजाना खाना बनाते वक्त कुछ ना कुछ बर्तन जल ही जाते हैं, जिससे रसोई में काम करने वाली अधिकतर महिलाएं काफी परेशान रहती है। क्योंकि जले हुए बर्तनों को साफ करना एक कठिन काम हो सकता है। अगर आप भी इससे परेशान हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप जले हुए बर्तन को आसानी से कुछ मिनट में साफ कर सकती हैं।

जले हुए बर्तन को आसानी से करें साफ

रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी बर्तन जल जाते हैं, जिससे उन्हें साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको जले हुए बर्तन को पहले पानी से भरकर रख देना होगा और फिर इसमें एक कप बेकिंग सोडा डाल दें। अब इस मिश्रण को कुछ घंटे के लिए साइड में रख दें, अब एक कड़क ब्रश की मदद से जले हुए हिस्से को रगड़ने से आप बड़ी आसानी से जले हुए बर्तन को साफ कर सकती हैं।

सिरके का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आपको जले हुए बर्तन में बराबर मात्रा में सिरका और पानी डालना होगा अब कुछ देर के लिए आप इसे गैस पर मध्यम आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब यह ठंडा हो जाएं, तब आप इस बर्तन को रगड़ कर अच्छी तरह धो लें। इससे आपका बर्तन आसानी से साफ हो जाएगा।

टमाटर का पेस्ट

यही नहीं आप टमाटर के पेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको टमाटर के पेस्ट को जले हुए हिस्से पर लगाना होगा, थोड़ी देर तक इसे लगा रहने दे उसके बाद साफ पानी से धो लें। ऐसा करने पर जला हुआ बर्तन साफ हो जाएगा।

सोडे का इस्तेमाल

इसके अलावा आप सोडे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बना ले, फिर ऐसे जले हुए हिस्से पर लगाएं। कुछ देर बाद बर्तन धो दें। अब आप नींबू को आधा काट लें और उसमें नमक लगाकर जले हुए हिस्से पर रगड़ें। कुछ देर बाद आप इसे धो लें।

अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं

दिनचर्या का सबसे बुरा पार्ट होता है जब हम अलार्म लगाकर सोते हैं और सुबह अलार्म की आवाज से झटके से उठते हैं और सारा मूड खराब होता है। हर इंसान थोड़ी देर और सोना चाहता है लेकिन काम की जल्दी सबको होती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी सुबह अच्छी, शांत और खुशनुमा हो। जिससे कि ना केवल माइंड रिलैक्स रहे बल्कि शरीर को पॉजिटिव एनर्जी मिले और पूरा दिन अच्छा गुजरे। तो अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं।

ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें

अपने मोबाइल, घड़ी में ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें। ऐसे अलार्म टोन जो तेज आवाज में बजते हैं और जिन्हें सुनकर आप झटके में उठकर बैठ जाते हैं। इस तरह के अलार्म ज्यादातर स्नूज करके लोग सो जाते हैं। साथ ही इन अलार्म टोन से निगेटिव वाइब्स मिलती है और हर किसी को लगता है कि बस काम के लिए देर हो रही है।

ज्यादातर लोग रात को अलार्म लगाकर सोते हैं। जब आप पूरी तरह से अलार्म पर ही डिपेंड हैं तो हमेशा ऐसे अलार्म टोन को सेट करें जो ना केवल धीरे से बचे बल्कि मन को शांत करें। किसी इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक या अपने फेवरेट सूदिंग म्यूजिक को सेट करें। जिसकी आवाज कानों में पड़े तो आपका मूड फ्रेश हो जाए और उठने में अच्छा लगे।

लगाएं कोई धार्मिक मंत्र

पॉजिटिव एनर्जी के लिए लोग धार्मिक चीजों पर डिपेंट करते हैं। तो आप अपने अलार्म टोन के लिए किसी धार्मिक मंत्र या म्यूजिक को चुन सकते हैं। जिसे सुनकर आप एनर्जेटिक और पॉजिटिव फील करें। इस तरह की आवाज जब कानों में पड़ती है तो माइंड रिलैक्स होता है और खुश होता है। जिससे आप तेजी से अपने रूटीन में लग जाते हैं और पूरा दिन माइंड फ्रेश रहता है।

आलू-मेथी के गरमागरम स्वादिष्ट पराठे

गरमा-गरम पराठा का एक कप गरमा-गरम चाय, क्या ही बात है! गरमागरम पराठे हर किसी को पसंद आते हैं। ऐसे में, आप आलू, गाजर, गोभी, मूली या पालक का पराठा तो शायद खाते ही होंगे, लेकिन आज हम आपको आलू-मेथी का स्वादिष्ट पराठा बनाना सिखाएंगे। जी हां, खास बात है कि यह उन लोगों के लिए एकदम परफेक्ट है जिनका मन आलू-मेथी की सब्जी खाते-खाते ऊब जाता है। यकीन मानिए, आलू का भरपूर स्वाद और मेथी की खुशबू का जादुई मेल आपके स्वाद की कलियों को झकझोर कर रख देगा। मेथी पराठे में आलू की स्टफिंग का अनोखा कॉम्बिनेशन ना सिर्फ आपके नाश्ते को स्वादिष्ट बनाएगा बल्कि आपको पूरे दिन एनर्जेटिक भी रखेगा।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, 1/2 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1 चम्मच तेल, पानी (आटा गूंथने के लिए)

आलू की स्टफिंग:

2 बड़े आलू (उबले हुए और मैश किए हुए)
1 कप मेथी (बारीक कटी हुई)
1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
1/4 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
नमक स्वादानुसार
1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
हरा धनिया (बारीक कटा हुआ)
तेल तलने के लिए जरूरी मात्रा में लेना चाहिए।

आलू-मेथी के पराठे बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में गेहूं का आटा, नमक, अजवाइन और तेल डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 15-20 मिनट के लिए रख दें। अब एक पैन में तेल गरम करें। इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। अब इसमें हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद मैश किए हुए आलू और मेथी डालकर मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। गैस बंद कर दें और हरा धनिया डालकर मिला लें। फिर आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। प्रत्येक लोई को बेलन से गोल करके पतला बेल लें। बीच में आलू का मिश्रण भरें और किनारों को मोड़कर गोल आकार दें। अब एक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल लगाएं। पराठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। गरमागरम आलू-मेथी के पराठे दही, अचार या प्याज के साथ परोसें।

गार्डन को कैसे बनाएं सुंदर

हर कोई अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर एक छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज बताएंगे कुछ ऐसी टिप्स, जिनकी मदद से आप घर का वह हिस्सा सजा सकते हैं, जहां पर अधिकतर लोग आकर बैठते हैं।

■ ऐसे बनाएं अपने घर के आंगन को खूबसूरत

आंगन घर की खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देता है। इसे सुंदर बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामानों का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी शॉप या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों वाले गमले आपके आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से मिल जाते हैं।

■ दीवारों पर लगाएं लताएं

आंगन की दीवारों को खूबसूरत बनाने के लिए आप मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बॉउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके आंगन को हरा-भरा बना देंगे और इससे घर पर आने वाले सभी मेहमान आपके आंगन की तारीफ करने लगेंगे।

■ आंगन में लगाएं खूबसूरत झूले

यही नहीं आप अपने आंगन में एक एक छोटा सा फव्वारा भी लगवा सकते हैं। यह आपके आंगन में शांति और सुंदरता ला सकता है। इसके अलावा आंगन में आप एक छोटा सा खूबसूरत झूला या कोई बेंच लगवा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठकर या झूले में झूल कर प्रकृति का आनंद ले सकें यहां बैठता आपको सुकून पहुंचाएगा।

■ बांस की लकड़ियों का करें इस्तेमाल

आप शाम के वक्त अपने आंगन में दिये या फिर लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पूरा आंगन रोशनी से जगमगा जाएगा। आप पत्थरों से अपने आंगन की सजावट कर सकते हैं। इसके अलावा बांस की लकड़ियां भी सजावट के लिए काफी इस्तेमाल की जाती है।

■ रोजाना करें आंगन की सफाई

इन सभी टिप्स के अलावा आपको रोजाना अपने आंगन की सफाई करनी चाहिए और पौधों में पानी देना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपका आंगन हरा भरा और खूबसूरत दिखाई देगा। यह सभी टिप्स आपको अपने आंगन को खूबसूरत बनाने में मदद करेगी।

संक्षिप्त समाचार

जनदर्शन : 150 से अधिक आवेदन हुए प्राप्त, आमजनों ने की योजनाओं का लाभ दिलाने सहित मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग

मुंगेली(समय दर्शन) जिला कलेक्टोरेट में साप्ताहिक जनदर्शन का आयोजन किया गया। अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी और निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान 150 से अधिक आमजनों ने शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने सहित अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग की। जनदर्शन में विकासखण्ड लोरमी के ग्राम चकला के नारायण दास टंडन ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ दिलाने, ग्राम अमलीडीह के अशवन कुमार ने आधारकार्ड में नाम सुधार कराने, ग्राम गैलूगॉव के दीपांकुर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में खसरा नम्बर जुड़वाने, ग्राम करीलकुंडा की राजनंदिनी ने अंकसूची में माता का नाम सुधरवाने, मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम धपई निवासी मुकेश साहू ने विद्युत पोल को अन्य जगह स्थानांतरित कराने, ठक्कर बापा वार्ड मुंगेली के दिव्यांग श्री रितेश कोशले ने बैटरी चलित ट्रायसायकल दिलाने, ग्राम छिरहुट्टी की जाना बाई पाटले ने महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने, ग्राम लछनपुर के मनोहर ने किसान कार्ड में खसरा, रकबा दर्ज कराने, ग्राम खम्हरिया के ग्रामीणों ने अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने, ग्राम मजगॉव के राघवेन्द्र सिंह ठाकुर ने जमीन का पर्ची बनवाने, ग्राम लिलवाकापा के भागवत प्रसाद ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाने, ग्राम गुना के नेतराम साहू ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाने की मांग की। इसी तरह पथरिया विकासखण्ड के ग्राम रोहराकला की संतरा बाई ने खेत का नामांतरण कराने, ग्राम हथकेरा के मिलाप सिंह ने भूमि अधिग्रहण की राशि का भुगतान दिलाने, ग्राम बरेला-अमोरा-कुकुसदा के ग्रामीणों ने सड़क मरम्मत कराने, शकुन पटेल ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय योजना अंतर्गत स्वीकृति दिलाने, ग्राम चन्दखुरी के ज्वाला प्रसाद ने पक्की नाली निर्माण कराने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सारिका मित्तल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना : जिले में सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे घर

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर सकारात्मक कदम

मुंगेली(समय दर्शन) शासन द्वारा आम नागरिकों को सौर ऊर्जा के माध्यम से मुफ्त एवं स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत जिले में नागरिकों के घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं। आमजन अपने घरों में मुफ्त बिजली का लाभ लेकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर सकरात्मक कदम बढ़ा रहे हैं। शासन द्वारा सब्सिडी मिलने से योजना का लाभ लेना अधिक आसान हो गया है। जिले में यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसके तहत हर घर सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेगा। जिले में 2025-26 के लिए जिले का में 12 हजार घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जिले में अब तक 633 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 238 आवेदकों ने वेंडर का चयन कर लिया है। इनमें से 50 आवासों में सौर संयंत्र का कार्य पूरा हो चुका है। विभागीय निरीक्षण हेतु 40 मामलों को स्वीकृति मिली है, अब तक 18 उपभोक्ताओं को सब्सिडी का भुगतान भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आमजन को योजना की जानकारी देने तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए जागरूक किया जा रहा है। योजना के तहत उपभोक्ता अपने घर की आवश्यकता अनुसार 01 किलोवाट से 03 किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवा सकते हैं। 01 किलोवाट के सोलर पैनल लगवाने पर केंद्र सरकार 30 हजार रूपए, राज्य सरकार 15 हजार रूपए की सहायता देगी, जिससे कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त होगी। 02 किलोवाट के सोलर पैनल पर 90 हजार रूपए एवं 03 किलोवाट के सोलर पैनल 01 लाख 08 हजार की कुल सहायता राशि मिलेगी। इसके साथ ही इच्छुक लाभार्थियों के लिए ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके तहत वे 06 प्रतिशत ब्याज दर पर 10 वर्षों की अवधि में आसान किश्तों में भुगतान कर सकते हैं।

फुटपाथ पर कब्जा कर वसूली : सूर्या मॉल के सामने ट्रैफिक पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन', 100 से अधिक गाड़ियां जब्त; ठेकेदार को कड़ी चेतावनी

भिलाई (समय दर्शन)। शहर के नामी सूर्या मॉल प्रबंधन की शह पर चल रहे अवैध पार्किंग और सरेआम फुटपाथ पर कब्जे के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। निगम के बनाए पैदल चलने के लिए आरक्षित फुटपाथ को रस्सी से घेरकर अवैध वसूली का धंधा चला रहे पार्किंग ठेकेदार और मॉल प्रबंधन पर पुलिस का डंडा चला। ट्रैफिक एएसपी ऋचा मिश्रा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा दुपहिया वाहनों को जब्त किया गया और चालानी कार्रवाई की गई।

फुटपाथ पर चल रही थी मोटी कमाई- जानकारी के अनुसार, सूर्या मॉल के सामने लंबे समय से यह अवैध वसूली का खेल चल रहा था। ठेकेदार खुलेआम नगर निगम के फुटपाथ पर कब्जा करके इसे पार्किंग स्थल बना चुका था। यहां बाइक से ?25 और कार से ?60 तक वसूल किए जा रहे थे, जिससे हर दिन हजारों रुपए की मोटी कमाई हो रही थी। इस अवैध पार्किंग के कारण जुनवानी चौक से सूर्या बिहार तक यातायात बुरी तरह बाधित हो रहा था।

निगम की सुस्ती, पुलिस की सख्ती- स्थानीय सूर्या बिहार के रहवासियों ने कई बार इस अवैध वसूली की शिकायत भिलाई नगर निगम से की थी। विधायक और

निगम के अधिकारियों ने भी इसे अवैध माना और कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन एक महीने बीत जाने के बाद भी जब निगम ने कोई कदम नहीं उठाया, तो ठेकेदार का हौसला बढ़ गया और उसने फिर से अवैध पार्किंग शुरू कर दी। पुलिस को यातायात बाधित होने की शिकायत लगातार मिल रही थी, जिसके बाद एएसपी ऋचा मिश्रा ने तत्काल दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर एक्शन शुरू किया।

दबंगई के आगे मिन्नतें और 'प्रभावशाली' फोन भी फेल- कार्रवाई शुरू होने पर वाहन मालिकों के गाड़ियां न हटाने पर पुलिस ने क्रेन बुलाकर फुटपाथ पर खड़ी सैकड़ों गाड़ियों को जब्त कर लिया और नेहरू नगर चौक स्थित ट्रैफिक कार्यालय पहुंचाया। इस दौरान, मॉल प्रबंधन और संबंधित ठेकेदार ने कार्रवाई रोकने के लिए हर तरह का साम-दाम-दंड-भेद अपनाया। ठेकेदार ने एएसपी मिश्रा से मिन्नतें की और प्रभावशाली लोगों के फोन भी करवाए, लेकिन एएसपी ने किसी की नहीं सुनी।

एएसपी की दो टूक चेतावनी- एएसपी ऋचा मिश्रा ने सख्ती दिखाते हुए ठेकेदार को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि फुटपाथ केवल पैदल आवाजाही के लिए बना है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि दोबारा सड़क पर अवैध पार्किंग कराई गई और यातायात बाधित हुआ, तो ठेकेदार और संबंधित पक्षों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जब्त सभी वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस ने चालानी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पी.एम. धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भर मिशन का शुभारंभ - किसानों की समृद्धि की दिशा में ऐतिहासिक पहल

भाटापारा, बलौदाबाजार (छ.ग.) ङ्क कृषि विज्ञान केंद्र, भाटापारा में आज पी.एम. धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भर मिशन के शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विकासखण्डों से आए 300 से अधिक कृषक भाइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन को बड़े ध्यान से सुना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईशान वैष्णव, माननीय सदस्य, जिला पंचायत बलौदाबाजार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अंगद सिंह राजपूत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, भाटापारा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री दीपक नायक, उपसंचालक कृषि, बलौदाबाजार सहायक संचालक कृषि जयेंद्र कँवर उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशभर के किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का किसान आज आत्मनिर्भरता की दिशा में नई कहानी लिख रहा है। पी.एम. धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भर मिशन का उद्देश्य खेती को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि अब भारत केवल उपज बढ़ाने की दिशा में नहीं, बल्कि गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसान की हर बूंद पसीने का मूल्य बढ़ाना ही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री जी ने यह भी कहा कि देश में दालों के उत्पादन को आत्मनिर्भर बनाना अनिवार्य है, क्योंकि दालें केवल पोषण का स्रोत नहीं बल्कि मृदा की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक हैं। दलहन आत्मनिर्भर मिशन के तहत देश के प्रत्येक किसान को आधुनिक बीज, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और बाजार तक सीधी पहुँच उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जैविक खादों, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि कम लागत और अधिक उत्पादन से ही किसान की आय दोगुनी नहीं बल्कि कई गुना बढ़ाई जा सकती है।

कृषि विज्ञान केंद्र भाटापारा में हुए इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ईशान वैष्णव ने प्रधानमंत्री जी के आह्वान को किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि बलौदाबाजार जिले के किसान नवीन कृषि योजनाओं का लाभ उठाकर प्रदेश को खाद्यान्न भंडार बनाने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। डॉ. अंगद सिंह राजपूत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पी.एम. धन-धान्य कृषि योजना किसानों के लिए एक नई आशा है जो उत्पादन, पोषण और पर्यावरण तीनों के बीच संतुलन स्थापित करेगी। कृषि विज्ञान केंद्र किसानों के साथ मिलकर इस योजना को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए तत्पर है। वहीं उपसंचालक कृषि दीपक नायक ने दलहन फसलों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिले में चना, अरहर और मूंग जैसी फसलों के अंतर्गत आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में किसानों को योजनाओं से संबंधित पुस्तिकाएँ एवं तकनीकी परामर्श भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में केंद्र के विशेषज्ञ डॉ सविता राजपूत, डॉ पी. डी. वर्मा, दीपमाला लकड़ा, स्वाति ठाकुर मिर्झा, डॉ सागर पाण्डेय उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रदीप कश्यप, विषय विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन वरिष्ठ कृषि अधिकारी अवधेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ मसीही समाज की महिला सेवा समिति का वार्षिक अधिवेशन बड़े धूमधाम और आस्था के साथ संपन्न हुआ

भाटापारा, बलौदाबाजार छत्तीसगढ़ मसीही समाज की महिला सेवा समिति का वार्षिक अधिवेशन बड़े धूमधाम और आस्था के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रदेशभर के मसीही समाज के प्रतिष्ठित सदस्यगण एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मसीही समाज की बिशप श्रीमती सुषमा कुमार जी सहित प्रदेश के पदाधिकारीगण का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

समारोह के मुख्य आकर्षण में महिलाओं की समाज निर्माण में भूमिका, उनके योगदान और मसीही मूल्यों के विस्तार पर सार्थक और प्रेरणादायक चर्चा हुई। इस चर्चाएं के दौरान यह बात प्रमुख रूप से सामने आई कि महिला सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में परिवर्तन और सुधार लाया जा सकता है। मसीही समाज के नारी शक्ति का यह अद्वितीय योगदान निश्चित रूप से हर क्षेत्र में बदलाव की नई लहर ला सकता है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्विनी शर्मा जी ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और समाज सेवा एवं महिलाओं के उत्थान के लिए सदैव सहयोग का आश्वासन दिया। उनका यह वक्तव्य सभी उपस्थितजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। श्री शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में कार्य करना होगा।

वार्षिक अधिवेशन में आयोजित कार्यक्रमों और चर्चाओं ने समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया और इस अवसर पर उपस्थित सभी को एक नई दिशा प्रदान की। यह आयोजन मसीही समाज में महिलाओं के योगदान और उनके संघर्षों को मान्यता देने का एक शानदार उदाहरण साबित हुआ। आयोजकगण में भाटापारा से श्रीमती निधि फिलिप,जैस्मीन सॉय,मंजुला दास,संध्या बेंजामिन ए आर जेम्स,बिन्नू फिलिप, चर्च के पास्टर अनीश मसीह सचिव अभिषेक फिलिप, कोषाध्यक्ष डॉ सत्यजीत जीवनमल,अभिषेक दास सुमित सिंह नीलम जेम्स अमित सिंह जे आर दास जयश्री छत्रे, एवं समस्त छत्तीसगढ़ के चर्च की महिलाएं उपस्थित रही

"Made As Me" ने रायपुर में अपने दरवाजे खोले

रायपुर ने किया स्वागत — "Made As Me", भारत का पहला स्वदेशी फैशन डेस्टिनेशन जो नए दौर के खरीदारो के लिए लग्जरी को नए सिरे से परिभाषित करता है

रायपुर(समय दर्शन)। — भारतीय फैशन जगत के लिए रायपुर शहर ने एक ऐलतहालिक क्षण का साक्षी बना, जब "Made As Me" — भारत का पहला स्वदेशी मल्टी-ब्रांड फैशन डेस्टिनेशन — का भव्य उद्घाटन हुआ। यह स्टोर सिटी सेंटर मॉल, पंडरी, रायपुर के यूनिट न. 211, दूसरी मंजिल पर स्थित है। उद्घाटन समारोह में मा. श्री रमन सिंह जी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा एवं ओ.पी.चौधरी, वित्त मंत्री, छत्तीसगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रीमती सोनाली दुगर, प्रमोटर, फैशन एंट्रूप्रोनर फंड; श्रीमती मंजू याग्निक, प्रमोटर, फैशन एंट्रूप्रोनर फंड राजेश चंदन, प्रमोटर, फैशन एंट्रूप्रोनर फंड सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

Made As Me को एक अनोखे एक्सपीरियंस फैशन डेस्टिनेशन के रूप में तैयार किया गया है, जो भारत के बेहतरीन डिजाइनर्स लेबल्स और उभरते ब्रांड को एक ही छत के नीचे लाता है। यहां महिलाओं और पुरुषों के लिए परिधान,बैग, एक्सेसरीज और फुटवियर जैसी विस्तृत रेंज उपलब्ध है। यह ब्रांड ओमनीचैनल मॉडल पर काम करता है — स्टोर और ऑनलाइन प्लेटफर्म www.madeasme.com दोनो के माध्यम से — ताकि ग्राहक को उच्च गुणवत्ता वाले, कस्टामाजेबल और ऑल्ट्रेबल उत्पाद उपलब्ध कराए जा सके। त्यौहार और वेडिंग शॉपिंग के लिए यह एक पसंदीदा स्थान बनने जा रहा है, जहां ग्राहक अपनी पसंद के मुताबिक डिजाइन बुक कर, पर्सनलाइज कर और बेस्पोक क्रियेसनल प्राप्त कर सकते हैं — यह आधुनिक भारत लग्जरी अनुभव को नए मायनो में परिभाषित करता है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने न्यूजीलैंड में नए शो-रूम का शुभारंभ किया, 14 देशों में अपनी उपस्थिति को मजबूती प्रदान की

मुंबई - जिम्मेदार ज्वेलर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने न्यूजीलैंड में अपने कारोबार के विस्तार की गर्व के साथ घोषणा की है। न्यूजीलैंड में कंपनी के पहले शो-रूम का शुभारंभ ऑकलैंड के बॉटनी टाउन सेंटर में किया गया। नए शो-रूम का उद्घाटन ब्रांड के अंतरराष्ट्रीय विस्तार योजना के परिप्रेक्ष्य में एक अहम मील का पत्थर है, जिससे 14 देशों में असाधारण शिल्पकला और सेवा उपलब्ध कराते हुए कंपनी की मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित होती है। नए शो-रूम का उद्घाटन न्यूजीलैंड के इमरजेंसी मैनेजमेंट, पुलिस, स्पोर्ट्स एंड रिक्रिएशन मंत्री मार्क मिशेल ने किया। इस अवसर पर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के इंटरनेशनल ऑपरेशंस के वाइस चेयरमैन के.पी. अब्दुल सलाम, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के इंटरनेशनल ऑपरेशंस के प्रबंध निदेशक (एमडी) शामलाल अहमद; वरिष्ठ निदेशक (सीनियर डायरेक्टर) सी मयंकुट्टी; मलाबार ग्रुप के कार्यकारी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स) निशाद ए.के और के.पी. वीरनकुट्टी; विनिर्माण प्रमुख फैसल ए.के., वित्त और प्रशासन विभाग के डायरेक्टर अमीर सी.एम.सी; मलाबार ग्रुप के चीफ डिजिटल ऑफिसर शाजी काक्कोडी; सीनियर मैनेजमेंट के अन्य सदस्य, मूल्यवान ग्राहक और शुभचिंतक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की शुरुआत न्यूजीलैंड की स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हुए पारंपरिक माओरी कराकिया प्रार्थना के साथ हुई। भारत, पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट), अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया सहित करीब 14 देशों में 400 से ज्यादा शो-रूम के साथ कंपनी की वैश्विक स्तर पर मौजूदगी है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अपने कलेक्शन के विस्तृत रेंज, असाधारण गुणवत्ता, और ग्राहक-केंद्रित रुख की वजह से जानी जाती है। दुनिया के करीब 26 देशों में 25,000 बहुभाषी कर्मचारियों की एक समर्पित टीम की मदद से ब्रांड ने दुनियाभर में 1.5 करोड़ से ज्यादा संतुष्ट ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान की है।

बसंतपुर और सलिहाघाट के मध्य में स्थित महानदी पुल की हालत खराब

बिर्रा (समय दर्शन)। बसंतपुर और सलिया घाट के मध्य में स्थित महानदी के ऊपर बने पुल की हालत बहुत खराब हो गई है। पुल कुछ ही सालों में बहुत ज्यादा जर्जर हो चुका है। यह पुल जांजगीर चांपा, सक्ती , कोरबा , बलौदा बाजार, सारंगढ़ , रायगढ़, बिलासपुर, महासमुंद ,रायपुर आदि कई जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है। इस पुल से रोजाना हजारों की तादात में दो पहिया, चार पहिया वाहन और यात्री बसें के अलावा बड़े-बड़े भारी वाहन आवागमन करते हैं। इस पुल में जगह-जगह बड़े-बड़े गढ़ा होने और सरिया के झांकने से आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि जांजगीर चांपा जिला के जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित ग्राम बसंतपुर और सलिहाघाट के मध्य में महानदी के ऊपर बने पुल विभाग समुचित देख रेख एवं मरम्मत के अभाव में बहुत ज्यादा खराब हो गया है। इस पुल से जांजगीर चांपा, सक्ती , कोरबा , बलौदा बाजार, सारंगढ़ , रायगढ़, बिलासपुर, महासमुंद ,रायपुर आदि कई जिलों को जोड़ने वाला यह क्षेत्र का एकमात्र पुल है। इस पुल से रोजाना हजारों की तादात में दो पहिया, चार पहिया वाहन और यात्री बसें के अलावा बड़े-बड़े भारी भीमकाय वाहन आवागमन करते हैं। इस पुल में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढा होने और सरिया के झांकने से आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना हजारों की तादाद में भारी भारी वाहनों के चलने से बसंतपुर और सलिया घाट के मध्य में महानदी के ऊपर में बने इस पुल में जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढा हो गया है। वाहन चालकों के द्वारा पुल के ऊपर बने बड़े-बड़े गड्ढा को बचाने के चक्कर में पुल के दाएं एवं बाईं दोनों तरफ बने रेलिंग को भी तोड़ दिया गया है। पुल के रेलिंग की टूटने के कारण राहगीरों और दो पहिया वाहन चालकों को अपनी जान हथेली पर लेकर चलना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में पुल के ऊपर बने बड़े-बड़े गड्ढे में पानी भर जाने के कारण गड्ढा दिखाई नहीं देता है, जिसके कारण वाहन चालकों के कई वाहन पलट चुके हैं। जिम्मेदार विभाग के अधिकारी किसी बड़े दुर्घटना घटना का इंतजार कर रहे हैं।ठेकेदार ने विभाग के अधिकारियों से सांठ गांठ करके एकदम घटिया व निम्न स्तर का सामान से पुल बनाया है। इसलिए महज कुछ ही सालों में पुल के ऊपर में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। पुल में बने बड़े-बड़े गड्ढे पुल निर्माण की घटिया स्तर को उजागर करता है। इस पुल से रोजाना हजारों लोगों के द्वारा अपनी जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं। इसके बावजूद सेतु निगम के अधिकारी कर्मचारी कुर्सी में बैठकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। पुल के ऊपर में डामर की मोटा परत चढ़ाने के बजाय इसकी सुध तक नहीं ले रहे हैं।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो बसंतपुर एवं सलिया घाट के मध्य में स्थित महानदी के ऊपर में बने पुल में बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना आवागमन करने वाले वाहन चालकों ने जांजगीर चांपा जिला और सारंगढ़ जिला के कलेक्टर महोदय से पुल की शीघ्र ही मरम्मत करवाने की मांग किए हैं।

खबर-खास

तनिष्क का नया 'मृगांक' - फेस्टिव कलेक्शन जो आपको दिव्य दुनिया की सफर करवाता है

रायपुर : भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क ने त्योहारों के सीज़न के लिए, प्रस्तुत किया है आकर्षक कलेक्शन 'मृगांक', जो पौराणिक और कल्पनाशील दुनिया से प्रेरित है, जहाँ तैरते महल, दिव्य उद्यान और अलौकिक जीव सोने में साकार होते हैं। कहानी कहने की कला और सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रतीकों का उपयोग भारत में सदियों से मशहूर है, मृगांक का हर आभूषण उन्ही से प्रेरित होकर त्यौहार की भावना को सम्मानित करता है। साहसी, कल्पनाशील और आश्चर्यजनक रूप से अलौकिक - मृगांक की इस भावना को मूर्त रूप देने के लिए तनिष्क ने पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्टर मानुषी छिल्लर को चुना है।

तनिष्क का विचार एक ऐसी दृश्य दुनिया बनाने का था, जो ट्रेंड्स से परे हो, जहाँ हर तत्व, चाहे वह एक रहस्यमयी थ्रीडी पक्षी हो या एक शानदार महल, आश्चर्य और उपस्थिति का एहसास जगाएगा। पौराणिक जीवों और काल्पनिक फूलों से प्रेरित, मृगांक को कल्पना की तरह शानदार और सपनों की तरह भव्य बनाया गया है।

स्टोन-ऑन-स्टोन जड़ाऊ, बेडरूम, चांडक, रस रवा और जटिल जाली परतों जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके तैयार किए गए इस कलेक्शन में रंगीन कुंदन, मीनाकारी और थ्रीडी मोटिफका खूबसूरत मिलाप है। हर आभूषण एक द्वार है, जो पहनने वाले को मृगांक की काल्पनिक दुनिया में ले जाता है, जहां मिथक और कलात्मकता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। चाहे वह महल की भव्यता को प्रतिबिंबित करने वाले कैस्केडिंग हरम हों, पौराणिक प्राणियों से प्रेरित स्टेटमेंट रिंग हों, या कई शैलियों के लिए डिज़ाइन किए गए बहुमुखी पेंडेंट सेट हों, तनिष्क का मृगांक कलेक्शन आधुनिक भारतीय महिला के लिए त्योहारों के आभूषणों की नयी परिभाषा करते हुए एक विविध लेकिन सामंजस्यपूर्ण अनुभव प्रदान करता है।

नेशनल हाईवे 130-ए पर चक्काजाम करने वाले के ऊपर किया गया कार्यवाही

मुंगेली(समय दर्शन) थाना फास्टरपुर-सेतगंगा पुलिस द्वारा नेशनल हाईवे 130-ए पर चक्काजाम करने 07 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार आरोपियों द्वारा दिनांक 11.09.2025 को दाबो मोड जवाहर नवोदय विद्यालय के सामने मृतक के शव को बीच रोड पर रखकर किया गया था चक्काजाम आरोपियों के विरूद्ध थाना फास्टरपुर-सेतगंगा में अपराध क्रमांक 21/2025 धारा 191(2), 126(2) बीएनएस के तहत एवं पृथक से किया गया प्रतिबंधात्मक कार्यवाही।मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा असामाजिक तत्वों, मादक पदार्थ बिक्री व तस्कर एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने निर्देश दिया गया है। दिनांक 11.09.2025 को थाना फास्टरपुर-सेतगंगा के अपराध क्रमांक 53/2025 धारा 103(1) बीएसएस के मृतक हेमप्रसाद साहू निवासी शुक्लाभाठा के शव को पुलिस द्वारा पंचनामा कार्यवाही पश्चात शव का पी.एम. करवाकर कफन-दफन हेतु मृतक के परिजनों को सुपुर्दनामा में दिया गया था। मृतक के परिजनों द्वारा मुक्तांजलि शव वाहन में जिला अस्पताल मुंगेली से अपने गांव शुक्लाभाठा ले जा रहे थे और इनके द्वारा एक राय होकर बिना किसी पूर्व सूचना के ग्राम दाबो चौक जवाहर नवोदय विद्यालय के सामने नेशनल हाईवे क्रमांक-130-ए पर मृतक के शव को मुक्तांजति वाहन से उतारकर बीच रोड पर रखकर करीबन 02 घंटे तक लगभग 200 की संख्या में एकत्रित होकर चक्काजाम कर रोड में आवागमन परिवहन बाधित करने की प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना फास्टरपुर-सेतगंगा में 14 नामजद एवं अन्य 150 लोगों के विरूद्ध दिनांक 21.09.2025 को अपराध क्रमांक 61/2025 धारा 191(2), 126(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अरपा कोलवासरी संचालक को सड़क निर्माण के लिए जमीन देने का ग्रामीणों व शिवसेना ने जताया विरोध

भिलाई ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने दर्ज कराई अपनी आपत्ति

बिलासपुर (समय दर्शन)। अरपा कोल बैनिफिक्रेशन एंड एनर्जी एल.एल.पी. मेंआने ङ्क जाने के लिए सचालक विनोद मित्तल ने प्रशासन से लगभग 28 डिसमिल भूमि आबंटित करने की मांग की गई जिसको लेकर ग्राम पंचायत भिलाई के पदाधिकारियों सहित क्षेत्र के ग्रामीणों व शिवसेना ने मस्तूरी तहसीलदार जयंती देवागन के समक्ष विरोध जताते हुए अपनी आपत्ति जताई वही अरपा कोलवासरी संचालक द्वारा किसी भी तरह के लेनदेन कर शासकीय जमीन का बन्दर बाँट किए जाने पर ग्रामीणों ने उग्र आंदोलन कि चेतावनी भी प्रशासन को दी है7

ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि बिनोद मित्तल के द्वारा ग्राम रलिया, भिलाई एवं बेलटुकरी में खोला जाने वाला वैनिफिक्रेशन एंड एनर्जी शासकीय भूमि ख. न. 206, 28 डिसमिल को अपने निजी लाभ हेतु रास्ता बनाना एवं कब्ज़ा करना चाह रहा है जो कि शासकीय भूमि है यह कोई आम रास्ता नहीं है एवं सरकारी भूमि पर कब्ज़ा करना राजस्व सहिंता 1959 कि धारा 248 के तहत अपराध है भ्रष्टाचार है7 अरपाकोल बैनिफिक्रेशन खोलने के सम्बन्ध में जनसुनवाई हुई ' जिसमें 95न्न लोगों के द्वारा कोलवासरी का विरोध किया गया। जिसका सम्पूर्ण कॉपी संलग्न है आपको अवगत करते है कि राशि स्टील प्लांट, था एनटीपीसी एवं अन्य संचालित कोल वासरी यहां आस पास संचालित है जिससे राखड, जहरीली विषैले पानी से प्रदुषण बांध के रिसाव एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ से क्षेत्र कि जनता का स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ा है और खेत व फसल तबाह हो रहे है अब ऐसे स्थिति में एक नया अरपाकोल वासरी खुल जाने से क्षेत्र में प्रदुषण कि

दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। और जन हानि होगी कोयला एक ज्वलनशील पदार्थ है कोलवासरी में बहुतायत मात्रा मैं कोयला संग्रह किया जाएगा कभी भी गर्मी के मौसम में आगजनी होगी ग्राम से लगा वाशरी होगा और आग से गांव को काफी नुकसान होगा जान मॉल की हानि होगी7

इसके अतिरिक्त भिलाई, रलिया, बेलट्रकारी, गतौरा, जयराम नगर एवं अन्य गाँव को जोड़ने वाला एक मात्र रास्ता है। जो पूरी तरह जर्जर एवं बड़े बड़े गड्ढे हो चुके है, यह रास्ता गाँबो को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनी है, जिसकी भार क्षमता 10-12 टन कि है किन्तु,ग्राम गातोरा स्थित कोल वासरी भनेशर स्थित कोल डिपो एवं कोल वाशरी व कोल सायडिंग,एनटीपीसी एवं संचालित कोलवासरी के द्वारा बड़े ट्रेलर एवं ट्रको कि भार क्षमता 80-90 टन का उपयोग किया जाता है जिससे यहाँ के लोगो का चलना दूभर हो चूका है, ।अब नया कोल वासरि खुलेगा तो और बर्बाद हो जाएंगे यहां आम जन जीवन अस्त व्यस्त होगा7

खारंग जलाशय जो कि खुटाघाट से जॉधरा किसानो के लिए कृषि सिंचाई के लिए पानी आता है इस बड़े नहर से केनाल के मध्यम से भिलाई, रलिया, बेलटूकारी, गतौरा अन्य गाँवों में सिंचाई के लिए पानी आता है जो नहर एवं नालो के माध्यम से खेतो तक पहुँचता है। यहाँ खुलने वाला (अरपा कोलवासरी) के द्वारा अपशिष्ट पदार्थों को नहर एवं नालो में छोड़ा जाएगा जिससे जल प्रदूषित होगा अरपा कोलबासरी के खुलने से किसान इस सिंचाई साधान से भी वंचित हो जायेंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से अरपा कोलबासरी को खोलने से रोके जाने कि मांग किया है साथ ही कहा कि यहाँ के क्षेत्र वासी स्वास्थ वातावरण में एक स्वस्थ जीवन जी सके, हम इस अरपा कोलवासरी का पुरजोर विरोध करते हुए दावा आपत्ति करते है।

शिवसेना ने अरपा कोलवासरी का किया विरोध- शिवसेना कामगार सेना संभाग अध्यक्ष एवं प्रभारी शिवसेना मस्तुरी ने राधे खांडेकर ने अरपा कोलवासरी को सड़क आबंटित करने को लेकर अपना जमकर विरोध जताया है, वही सैकड़ो कि संख्या में शिवसेना कार्यकर्ताओ एवं ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय के समक्ष कोलवासरी का कद विरोध जताते हुए जमकर नारेबाजी भी किया है7

कृषक सहयोग संस्थान ने मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

कवर्धा (समय दर्शन)। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क की पार्टनर संस्था कृषक सहयोग संस्थान ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भोंदा के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने लड़कियों के अधिकारों और दुनिया भर में लड़कियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को मान्यता देने के लिए 11 अक्टूबर 2012 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में घोषित किया। यह अवलोकन लड़कियों के लिए अधिक अवसरों का समर्थन करता है और दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर भेदभाव की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इसका उद्देश्य बालिकाओ के जीवन में संघर्ष व चुनौतियों को कम करना और अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सामाजिक भेद भाव व कुरीतियों से लड़ने के लिए सक्षम बनाना है।

आज भी बहुत सी सामाजिक बुराई विद्यमान है, जैसे बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत स्कूल में बच्चों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और स्वास्थ्य संबन्धित दिक्कत, और आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ता है और कानूनी रूप से दंड का जो प्रावधान है, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र की लडकी और 21 वर्ष के कम उम्र का लड़का शादी करते हैं तो 2 वर्ष का जेल और एक लाख रुपए जुर्माना है। साथ ही ऐसे शादी को कराने वाले व्यक्ति, शादी मे शामिल होने वाले सगे-सम्बन्धी, बैंड बाजा बजाने वाले, खाना बनाने वाले, शादी हाल/गार्डन वाले, पंडित, मोलवी, फादर एवं अन्य जो भी इस बाल विवाह में शामिल हैं उन सभी पर कानूनी कार्रवाही होगी। यह भी बताया गया कि आपको किसी भी तरह से कोई परेशान करता है, तो अपने माता-पिता को बताए और स्कूल में अपनी मैडम को बताए और आप 1098 में भी सूचना दे सकती हैं। खूब मन लगाकर पढाई करे और अपना परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करें। संस्था के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता आशाराम चंद्रवंशी ने संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था लगातार जिले में बालविवाह बालयौन शोषण, बालश्रम सहित विभिन्न मुद्दों में कार्यकर रही है। उन्होंने आगे कहा कि बालिकाओं में समाज और समुदाय को दिशा देने की क्षमता मौजूद है, बस उसे पहचान और अवसर की जरूरत है। दुनिया भर में लड़कियां आज भी कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं, जैसे बालविवाह, शिक्षा से वंचित रहना, भेदभाव और हिंसा सहित विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह दिन याद दिलाता है कि हर लड़की को शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य और सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान, निर्णय लेने और नेतृत्व का अवसर मिले।

शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए भी आवश्यक है।

हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्याय संगत और समृद्ध समाज बना सकेगें। प्रचार्य ने बच्चियों को बताया कि लडकियां दो घरों को रोशन करती हैं। वे अपने माता पिता के और शादी के बाद अपने ससुराल के घर को शिक्षित कर रोशन करती है। समाज में आपके शिक्षित होने पर समाज में परिवर्तन देखने को मिलता है। लड़कियां केवल भविष्य की आशा नहीं हैं, बल्कि आज बदलाव लाने की असली शक्ति भी हैं।

कार्यक्रम के बाद सभी बालिकाओं को संस्था की तरफ से पेन वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक मनोज देवांगन, शरद यादव, उमा मानिकपुरी, प्रीति मेरावी, कृषक सहयोग संस्थान के जिला समन्वयक ललित सिन्हा, आशाराम चंद्रवंशी सहित विद्यालय के 83 बालिकाएं मौजूद रहीं।

जिला मुख्यालय कवर्धा में कांग्रेस सेवादल जिला कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गई, जिसमें सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया गया

कवर्धा (समय दर्शन)। जिला अध्यक्ष पदुम सेन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सेवादल एक अनुशासित संगठन है और हमें अनुशासन में रहकर काम करना है। साथ ही कबीरधाम जिले के सभी सेवादल के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण शिविर लगाकर प्रशिक्षित करना है। मुख्य अतिथि के रुप में युवा काग्रेस प्रदेश सचिव आकाश केशरवानी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सेवादल काग्रेस पार्टी का अभिन्न अंग है। हमें आप लोगों के सहयोग से कांग्रेस सेवादल को और मजबूत करना है। कांग्रेस सेवादल अतिरिक्त जिला अध्यक्ष भागीराम साहू ने अपने संबोधन में सभी ब्लॉक अध्यक्षो को कहा कि आपको अपने अनले ब्लॉक में निडर कार्यकर्ता बनकर काग्रेस पार्टी के लिए मजबूती से काम करना है। कांग्रेस सेवादल अतिरिक्त जिला अध्यक्ष रामसजीवन धुर्वे, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव एवं संगठन प्रभारी युनेश कौशिक, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव बृजेश कौशिक, कांग्रेस सेवादल जिला ध्वज वाहक रामानुज श्रीवास ने

कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

जिला महासचिव (संगठन प्रभारी) युनेश कौशिक ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष पदुम सेन कांग्रेस सेवादल, अतिरिक्त जिला अध्यक्ष भागी राम साहू कांग्रेस सेवादल अतिरिक्त जिला अध्यक्ष रामसजीवन धुर्वे, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव एवं संगठन प्रभारी युनेश कौशिक, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव बृजेश कौशिक, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव महेश वैष्णव, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव आनंद यादव, कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव राजेन्द्र डिंडोरे, कांग्रेस सेवादल जिला ध्वज वाहक रामानुज श्रीवास, कांग्रेस सेवादल जिला कम्युकेशन मनोज चंद्रवंशी, कांग्रेस सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राजपूत, कांग्रेस सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश साहू, कांग्रेस सेवादल शहर अध्यक्ष नरेंद्र धुर्वे, कांग्रेस सेवादल जिला सचिव राजेन्द्र निषाद, कांग्रेस सेवादल जिला सचिव जितेन्द्र चंद्रवंशी, कांग्रेस सेवादल जिला सचिव बैसाखु राम साहू, कांग्रेस सेवादल जिला सचिव घनश्याम मारकंडे, कांग्रेस सेवादल जिला मिडिया प्रभारी अफ्जल खान, कांग्रेस सेवादल शहर सचिव दिलीप गहने, कांग्रेस सेवादल दानी साहू सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तहसील साहू संघ के पदाधिकारियों को चोवाराम ने दी बधाई

कवर्धा। प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ.नीरेंद्र साहू के निर्देशानुसार, जिला साहू संघ कबीरधाम के मार्गदर्शन में हाल ही में जिले की तीन तहसीलों में तहसील साहू संघ के अध्यक्षों का चुनाव सम्पन्न कराया गया। इस चुनावी प्रक्रिया में तीनो तहसीलों में समाजिक पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से तहसील साहू संघ के अध्यक्षों का चुनाव कर उन्हें समाज की जिम्मेदारी सौंपी है। समाज के युवा नेता चोवाराम साहू ने बताया कि तहसील साहू के चुनाव के तहत पंडरिया तहसील के लिए डॉ. जलेश्वर साहू, कुण्डा तहसील के लिए श्रवण साहू तथा स. लोहारा तहसील के लिए विजय कुमार साहू का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया है। उन्होने इन तीनो नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाई व शुभकानाएं देते हुए कहा कि इस चुनाव के बाद समाज को एक नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

सांसद खेल महोत्सव में खेल से खिलें सपने, युवाओं में उमंग और जोश का माहौल

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रान्तर्गत आज सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ।शहर के महात्मा गांधी स्कूल प्रांगण में आयोजित इस समारोह में युवाओं और खेल प्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा और शेखर चंद्राकर ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान उन्होंने खेल भावना का संदेश देते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और जीत की शुभकामनाएं दीं। महोत्सव में उपस्थित आयुक्त सुमित अग्रवाल, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, संजय ठाकुर, हरिशंकर साहू, विनोद मांझी,मोहित मरकाम, पंकज साहू, विकास दमाहे, प्रेरणा दुबे,उमयंती ठाकुर सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।मैदानों में खेल भावना, जोश और सौहार्द का शानदार नज़ारा देखने को मिला।

खेल के मैदानों में दिखा ऊर्जा और उत्साह का संगम- सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय (14 व 15 अक्टूबर) खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वॉलीबॉल, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, योगासन, एथलेटिक्स (100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़) जैसी आधुनिक खेल विधाओं के साथ-साथ पारंपरिक खेल ङ्क कबड्डी, खो-खो, गेड़ी (पुरुष वर्ग), फुगड़ी और सुरीली कुर्सी (महिला वर्ग) शामिल हैं।

इन प्रतियोगिताओं का आयोजन में कुश्ती और वेट लिफ्टिंग महात्मा गांधी स्कूल, बॉलीबॉल खो खो कबड्डी सुरीली कुर्सी दौड़ , पुगड़ी सुराना कॉलेज मैदान, और 100 मी400 मी रेस गेड़ी रविशंकर स्टेडियम में किया जा रहा है।मैदानों में हर ओर जोश, उत्साह और दर्शकों की तालियों की गूंज से वातावरण खेलमय बन गया।

सैमसंग ने नवरात्रि के दौरान स्मार्टफोन, प्रीमियम टेलीविज़न और होम एप्लायंसेज़ की रिकॉर्ड बिक्री की

गुरुग्राम: भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज त्योहारी सीजन में बिक्री की शुरुआत बेहद शानदार रहने की घोषणा की है। कंपनी ने इस बेहतरीन प्रदर्शन का श्रेय ग्राहकों के सकारात्मक रवैये, आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स और टेलीविजन व एयर कंडीशनर पर जीएसटी दरों में कटौती को दिया है। सैमसंग ने बताया कि नवरात्रि और दशहरा के दौरान इसके प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री ने अब तक का नया रिकॉर्ड बनाया। इस उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय गैलेक्सी एआई से लैस कंपनी के उन्नत पोर्टफोलियो - गैलेक्सी Z Fold7 फोल्डेबल स्मार्टफोन, गैलेक्सी S25 सीरीज़ और गैलेक्सी S24 सीरीज़ को जाता है। गैलेक्सी एआई, सैमसंग की अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक है, जो यूजर्स के अनुभव को और अधिक सहज, कुशल और व्यक्तिगत बनाने के लिए तैयार किया गया है। सैमसंग इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 30,000 रुपये से अधिक कीमत वाले प्रीमियम गैलेक्सी स्मार्टफोन की बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.4 गुना बढ़ी है। हमें विश्वास है कि हमारे प्रीमियम एआई स्मार्टफोन आगामी शुभ दीपावली सीज़न में भी मजबूत प्रदर्शन जारी रखेंगे। सैमसंग ने 22 सितंबर से शुरू हुई नवरात्रि की बिक्री से पहले अपने प्रीमियम स्मार्टफोन - गैलेक्सी S24 अल्ट्रा, गैलेक्सी S24 और गैलेक्सी S24 स्न्नश्च - पर आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स भी पेश किए थे। टेलीविज़न श्रेणी में भी कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जिसका प्रमुख कारण 32 इंच से बड़े टेलीविज़नों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती रहा।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम

// ईश्तहार//

ई कोर्ट नंबर 202509080700001/
अ-6/2024-25
ग्राम- अमलीडीह पहनं 11

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका धर्मदत्त पिता रामलोचन, निवासरी ग्राम-कवर्धा, जिला- कबीरधाम द्वारा ग्राम अमलीडीह प0ह 0नं0 11 स्थित भूमि खनं. 106/1 रकबा 0.1460 हे0 भूमि को भूमिस्वामी तारन पिता पुन्नी से पंजीकृत बयनामा के तहत निष्पादित कर दिनांक 07.09.2009 के आधार पर लिया गया था. उका दिनांक से आज दिनांक तक उक्त भूमि पर आवेदक का कब्जा है किन्तु उक्त भूमि बर्तमान राजस्व रिकार्ड में संतोष पिता नरोत्तम का नाम प्रदर्शित हो रहा है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति्त को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 13.10.2025 को 10:30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

उपरोक्त तिथी पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.09.2025 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।-

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा जिला कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम

// ईश्तहार//

ई कोर्ट नंबर 202509080700019/
अ-6/2024-25
ग्राम- कवर्धा, प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका जानकी पति अनुज, निवासी ग्राम-कवर्धा जिला- कबीरधाम द्वारा ग्राम कवर्धा प0ह 0नं0 13 स्थित भूमि ख.नं. 44/20 रकबा 0.0200 हेक्ट. को भूमिस्वामी आकृति पति राजकुमार, निवासी कवर्धा द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा के तहत दो गवाहों अनुज पिता जगदीश एवं खेमराज पिता शिवकुमार के समक्ष निष्पादित कर दिनांक 23.04.2025 के आधार पर लिया गया था उक्त दिनांक से आज दिनांक तक उक्त भूमि पर आवेदिका का कब्जा है किन्तु उक्त भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में भूमिस्वामी आकृति पति राजकुमार के नाम पर ही दर्ज है जिसे आवेदिका अपने नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 24.10.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

उपरोक्त तिथी पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08.10.2025 को मेरे न्यायालय की मुंहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा जिला कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम

// ईश्तहार//

रा0प्र0क0 20250908070005/
अ-27/24-25
ग्राम-कवर्धा, प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संदीप एवं अन्य 03 की स्वामित्य की भूमि 303/104 रकबा 0.0180 के नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिसे विधिवत बंटवारा किये जाने हेतु संहिता की धारा 178 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 28.10.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

उपरोक्त तिथी पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08.10.2025 को मेरे न्यायालय की मुंहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा जिला कबीरधाम

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्र. 02

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर (छ. ग.)

क्रमांक 25/न.पा.नि/जोन क्र. 02/2025 रायपुर, दिनाक 13/10/2025

समाचार पत्र समय दर्शन एवं कुबेर भूमि के अंक दिनांक 20.09.2025 में ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना सिस्टम टेण्डर नं. 176139 एवं 176140 के निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 21/25 दिनांक 19.09.2025 में कार्य क्र. 01 से 02 तक के कार्यों की ऑनलाईन निविदा आमंत्रण करने की कार्यवाही की गई है। जिसमें निविदा Bid Due Date 11.10.2025, Physical Doc. Submission Last Date 13.10.2025 एवं Bid Open Date 14.10.2025 निर्धारित तिथि थी।

अपरिहार्य कारणों से Bid Due Date 18.10.2025, Physical Doc. Submission Last Date 22.10.2025 एवं Bid Open Date 23.10.2025 निर्धारित किया जाता है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्र. 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

दैनिक समय दर्शन

web: - www.samaydarshan.org

छत्तीसगढ़

रायपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

क्वांटम युग में बसना का गौरव

शिक्षक एवं छात्रों ने उत्कृष्ट कार्य कर, किया जिला का नाम रौशन

बसना (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल, महासमुंद में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी में क्वांटम युग का आगाज : संभावना एवं चुनौती विषय पर उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए पीएम श्री सेजेस बसना स्कूल के भौतिकी विषय के व्याख्याता अजय कुमार भोई ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बसना ब्लॉक का नाम रोशन किया।

इसी प्रतियोगिता में सेजेस भंवरपुर स्कूल के व्याख्याता प्रदीप बारीक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया,जो क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इसी दिन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल,महासमुंद में जिला स्तरीय बाल विज्ञान मेला एवं पश्चिम भारतीय विज्ञान मेला:का आयोजन भी किया गया।इसमें सेजेस भंवरपुर स्कूल के कक्षा दसवीं के छात्र भरत पटेल ने ग्रीन एनर्जी पर आधारित स्मार्ट स्ट्रीट लाइट मॉडल प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।वहीं, पीएम श्री सेजेस बसना स्कूल के छात्र हितेश पटेल और पीयूष प्रधान ने अपनी शानदार भागीदारी से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया।

इन उपलब्धियों से न केवल बसना ब्लॉक के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ा है बल्कि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी नई दिशा मिली है। इस उपलब्धि के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ,सहायक विकासखण्ड अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव ,पीएम श्री सेजेस बसना के प्राचार्य के के पुरोहित, प्राचार्य एस के पटेल, कार्यक्रम के नोडल प्रभारी योगेश प्रधान,वारिश कुमार, विजय धृतलहरे, शरण दास,अरूण प्रधान, सहायक नोडल प्रेमचंद साव सहित बसना विकास खंड के शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

संक्षिप्त-खबर

सांसद विजय बघेल ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया, पाटन में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में शामिल हुए

पाटन (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव 2025 नगर पंचायत पाटन में पहुंचे सांसद विजय बघेल जी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन बढ़ाते हुए खेल खिलाड़ियों को बधाई दी मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ योजना एवं मोबाइल मेडिकल गाड़ी में अपना स्वस्थ परिक्षण एवं बी पी सुगर की जांच भी कराई इस अवसर पर, योगेश निक्की भाले अध्यक्ष, श्री मती निशा योगेश सोनी उपाध्यक्ष, केवल देवांगन सभापति न पं, श्री मती नेहा बाबा वर्मा सभापति न पं, राजा पाठक सांसद प्रतिनिधि, देवेन्द्र ठाकुर सभापति न पं, उपेन्द्र बाबा वर्मा, चिरंजीवी देवांगन भाजपा नेता, हेमंत कुमार वर्मा CMO, अर्जन निर्मल उप अभियंता,जलज पाण्डेय,कौशल देवांगन, किशोर वर्मा योगेश झड्ढ सहित खेल खिलाड़ी अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कमला कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में 10 अक्टूबर 2025 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार सोनबेर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर स्नातकोत्तर की छात्राओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसमें आज के दौर में बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे तेजी से उभर रहे हैं। समय रहते यदि इन पर ध्यान न दिया गया, तो ये गंभीर मानसिक विकारों का रूप ले सकते हैं। उन्होंने जागरूकता और सतर्कता को ही इनसे बचाव का सर्वोत्तम उपाय बताया। छात्राओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य : चुनौतियां एवं रोकथाम विषय पर बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी भी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। इसके साथ ही अतिथि व्याख्याता डॉ. मोना माखीजा के मार्गदर्शन में ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को मंच पर आकर अपने विचार, अनुभव व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी व्यक्तिगत बातें साझा करने का अवसर मिला। इस पहल से प्रेरित होकर लगभग 15 छात्राओं ने माइक पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एचके गरचा, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रामकुमारी धुर्वा, प्राणीशास्त्र विभाग के आलोक कुमार जोशी तथा मनोविज्ञान विभाग के डॉ. ओमप्रकाश शर्मा एवं सुश्री शकाईना नाग की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए आत्म-अभिव्यक्ति का मंच प्रदान किया, जिसकी सराहना सभी ने की।

औषधि शाखा द्वारा न्यू आरजू मेडिकल का औषधि लाईसेंस निरस्त

दुर्ग/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला दुर्ग कि औषधि शाखा द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर 12 सितम्बर 2025 को सहायक औषधि नियंत्रक श्री संजय सिंह झडेकार के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक श्री विशनु प्रसाद साहू एवं श्रीमती चंद्रकला ठाकुर की संयुक्त टीम द्वारा सड़क 18, कैम्प 01, भिलाई पहुंचकर मेसर्स न्यू आरजू मेडिकल, मिश्रा मेडिकोज, आरजू मेडिकल, जिया मेडिकल एवं बालाजी मेडिकल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर उपरोक्त सभी मेडिकल स्टोर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। न्यू आरजू मेडिकल स्टोर्स सड़क 18, कैम्प 01, भिलाई द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र का जवाब संतोषजनक प्रस्तुत नहीं करने एवं अनियमितताएं अधिक होने के कारण न्यू आरजू मेडिकल का औषधि लाईसेंस निरस्त किया गया है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शासकीय माता कर्मा महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

महासमुंद (समय दर्शन)। रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय माता कर्मा महाविद्यालय महासमुंद में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं युवाओं में किशोर स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, तंबाकू नियंत्रण और स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के आदेशानुसार तथा नोडल अधिकारी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य टीम द्वारा छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर हरिशंकर साहू हेल्थ एजुकेटर सह जिला मीडिया प्रभारी ने किशोर स्वास्थ्य, मोबाइल एडिक्शन एवं स्वच्छता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वच्छ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी तथा मोबाइल का सीमित उपयोग करने कहा। मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर रामगोपाल खूंटे ने युवाओं में बढ़ती मानसिक चुनौतियों और तनाव के कारणों की जानकारी देते हुए मानसिक स्वास्थ्य को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। तंबाकू नियंत्रण काउंसलर श्रीमति मेघा ताम्रकार ने नशा एवं तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। आर.एम.एन.सी.एच. काउंसलर श्रीमति कविता चंद्राकर ने किशोरियों को महिला स्वास्थ्य, पोषण एवं एनीमिया नियंत्रण से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ दीं।

कार्यक्रम के दौरान रंगोली एवं पोस्टर प्रदर्शनी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बालिका सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और स्वास्थ्य संदेशों को रचनात्मक चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया। विजेता प्रतिभागियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ. सरस्वती, सहायक प्राध्यापक डॉ. स्वेतलाना नागला एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि बालिकाओं एवं किशोरों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण से जुड़े संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुँचाए जाएंगे

संत अन्ना उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र देवेन्द्र बांदे को मिला सम्मान

साँकरा (समय दर्शन)। जिला स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर महासमुन्द में 10 से 12 अक्टूबर तक सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस शिविर में सांकरा जोंक के संत अन्ना उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र देवेन्द्र बांदे ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । शिविर का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक चिकित्सा, मानवता को जीवित रखना, एक-दूसरे की मदद करना और विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना था।

देवेन्द्र ने इस प्रशिक्षण को पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ पूरा किया, जिसके लिए उन्हें सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर ग्राम छतवन के छात्र के पिता दीपक बांदे ने खुशी जताई, साथ ही रतन सिंह डड़सेना, नंदकुमार डड़सेना, रितेश नेताम, बालक राम दीवन, अरुण दीवान, उकार शाह राम डड़सेना, डेरिहा डड़सेना, पूनी राम डड़सेना, रघुवीर डड़सेना, टीकम नायक, सत्य ठाकुर, भूपेश दीवान, संतोष पटेल, नंद कुमार पटेल, विजेंद पालेश्वर, चवर सिंह, वीरेंद्र सेन, ओम प्रकाश, गोकुल सूर्यवंशी, माखन डड़सेना, विनोद लहरें आदि गांव और क्षेत्र के लोगों ने देवेन्द्र को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। छात्र और उनके परिवार के लिए गर्व की बात है, साथ ही पूरे क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता के संदेश को भी मजबूती मिलेगी।

सिंघुपाली के न्यू कमल ढाबा के पास युवक की मौत

गढ़बेड़ा में पिता-पुत्री की कार हादसे में बाल बाल बचे

सिंघुपाली के न्यू कमल ढाबा के पास एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी ,वहीं दूसरे घटना मे गढ़बेड़ा में पिता-पुत्री की कार हादसे में बाल बाल बचे।

थाना पिथौरा क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएँ घटित हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरे हादसे में एक पिता और पुत्री बाल-बाल बच गए। दोनों मामलों में पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

इस मामले मे ग्राम परसापाली निवासी एक व्यक्ति ने थाना पिथौरा में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह खेती-किसानी का कार्य करता है। दिनांक 13.10.2025 को वह अपने मोटर सायकल क्रमांक छ्त्त 06 क्क 8113 में घनश्याम ध्रुव के साथ ग्राम सरगतोरा देवपूजा कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

पूजा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दोनों दोपहर करीब 03.15 बजे ग्राम सरगतोरा से मोटर सायकल क्रमांक छ्त्त 06 क्क8113 में घनश्याम ध्रुव को बैठाकर अपने घर ग्राम परसापाली लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 03.45 बजे ग्राम सिंघुपाली स्थित न्यू कमल ढाबा के पास उन्होंने मोटर सायकल को राष्ट्रीय राजमार्ग 53 के किनारे खड़ा किया और पेशाब करने के लिए उतरे।

उसी समय पीछे से आ रही एक अज्ञात मोटर सायकल का चालक अपने वाहन को तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए घनश्याम ध्रुव को ठोकर मारकर भाग गया। ठोकर लगने से घनश्याम ध्रुव को सिर एवं शरीर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। फरियादी ने घटना की रिपोर्ट थाना पिथौरा में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश प्रारंभ कर दी है।

दूसरा मामला क्रमांक 01, रावणभाठा, पिथौरा निवासी व्यक्ति का है। रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 11.10.2025 को वह अपने डिज़ायर कार क्रमांक छ्त्त 06 त्तछ 3188 में अपनी पुत्री वैभवी देवांगन के साथ निजी कार्य से रायपुर जा रहा था।

जब वे ग्राम गढ़बेड़ा स्थित चीनी ढाबा के पास (ह॥-53) पहुँचे, उसी समय पीछे से आ रही ट्रक क्रमांक ढ्ढक्क 11 श्व 7385 का चालक अपने ट्रक को तेज गति और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए उनकी कार को पीछे से ठोकर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, सौभाग्य से कार में सवार चालक और उसकी पुत्री को कोई चोट नहीं आई।

घटना की रिपोर्ट थाना पिथौरा में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

सेजेस भूकेल में संस्कृति ज्ञान परीक्षा

बसना (समय दर्शन)। अखिल भारतीय गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के तत्वाधान में भारतीय संस्कृति सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन में किया गया ।इसमें मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचार्य श्री सी एस पटेल , संस्कृति ज्ञान प्रभारी एस डी बर्गे सर के नेतृत्व में मिडील व हाईस्कूल के 54 छात्रों ने भाग लिया ।इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में अखिल भारतीय नैतिक मूल्य, आदर्श ,चरित्र ,राष्ट्र प्रेम एवं जीवन निर्माण की भावना का विकास करना है ।परीक्षा में भारतीय संस्कृति के विविध आयाम जैसे परिवार, संस्कार ,पर्यावरण संरक्षण, योग, नशा उन्मूलन, सत्य ,अहिंसा जैसे विषय पर अपना ज्ञान अर्जित किए एवं परीक्षा में प्रदर्शन किया । भारतीय संस्कृति हमें सत्य ,अहिंसा, करुणा, सेवा और सम्मान जैसे उच्च जीवन मूल्य का मार्ग दिखाती है ।अखिल भारतीय संस्कृति सामान्य ज्ञान परीक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया। उक्त अवसर सुरेश कुमार साहू, बीपी साहू ,पीसी जैन,क्षीरसाय चौधरी आदि शिक्षकों का सहयोग रहा। जानकारी विद्यालय के शिक्षक सुरेश कुमार साहू ने दी।

महासमुंद जिला के ख्याति लब्ध पंथी कलाकार रोहित कोसरिया पंथी शिखर सम्मान से सम्मानित

महासमुंद(समय दर्शन)। पुरखा के सुरता जन कल्याण समिति, भिलाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम सुरता अमृता बारले एवं पंथी शिखर सम्मान कार्यक्रम जिसके संयोजक पद्मश्री डॉ आर एस बारले, अध्यक्ष राजू लाल नेताम के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम विगत 70 के दशक के ख्याति प्राप्त महिला पंथी कलाकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिनीमाता सम्मान प्राप्त सुश्री अमृता बारले की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर राज्य स्तरीय सुरता अमृता बारले व पंथी शिखर सम्मान एवं वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन दिनाक 12 अक्टूबर 2025 को ग्राम मोरिद भिलाई - 3, जिला- दुर्ग में आयोजन संपन्न हुआ।

जिला महासमुंद अंतर्गत बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पिलवापाली निवासी रोहित कोसरिया पंथी नृत्य गान के क्षेत्र में अच्छी मुकाम हासिल किये हैं ।

इनके प्रतिनिधित्व में विगत 1999 से लगभग 26 वर्षों से नवा बिहान लोक कला मंच के नाम से पंथी नृत्य दल संचालित है। रोहित कोसरिया का पंथी नृत्य दल भारत के विभिन्न राज्यों में कई राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता में इनके पंथी नृत्य दल को विभिन्न वर्षों में प्रथम पुरस्कार राशि 01 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार राशि 75 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार राशि 50 हजार रुपए जीतने पर प्रशस्ति पत्र, साल श्रीफल, मोमेंटो आदि सम्मान के रूप में प्राप्त हो चुका है। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल , संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री छ. ग. शासन, कार्यक्रम की अध्यक्षता राजमहन्त डोमन लाल कोर्सेवाडा , विधायक अहिवारा तथा विशिष्ट अतिथि ललित चंद्राकर , विधायक एवं अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग, श्रीमती ओजस्वी मंडावी, सदस्य राज्य महिला आयोग छ.ग.शासन, डॉ चुरामन सिंह साहू वरिष्ठ कवि बेरला, होली राम डडसेना वरिष्ठ समाज सेवी, खरसिया रायगढ़, सुनिल ठाकुर सदस्य पूर्व कर्मकार बोर्ड, डॉ.

रोहित मिरी, एसोसिएट प्रोफेसर सी एस वी टी यू भिलाई , श्रीमती गीता बंजारे राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित रिसाली, वाय अप्पल नायडू समाज सेवी भिलाई , इंद्रजीत (छोटू) समाज सेवी , शैलेंद्र शैली जिला भाजपा मंत्री दुर्ग थे।

कार्यक्रम सुबह 11 बजे से गुरु घासीदास बाबा जी की आरती, पूजा अर्चना तथा सतलोकी सुश्री अमृता बारले को श्रद्धा सुमन अर्पित कर पंथी नृत्य से कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात प्रदेश के ख्याति प्राप्त हरिकीर्तनकार पंडित कामता प्रसाद शरण, कुडेरादादर, छुरा गरियाबंद द्वारा हरिकीर्तन प्रस्तुत से दर्शक दीर्घा हर्षित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीमती शांता सोनवानी, महिला पंथी दल माता सफुरा महिला पंथी दल नेवई, पंथी नृत्य, लक्ष्मीकांत जडेजा भटगांव जिला मुंगेली द्वारा पंथी नृत्य, गढ़िया बाबा आदिवासी मांदरी नृत्य दल सरईटोला नगरी, भरथरी सुश्री हिमानी वासनिक राजनादगांव, महिला पंथी सत्संग महिला पंथी नृत्य दल खुर्सीपार भिलाई, भरथरी सुश्री कल्याणी बारले आशीष नगर रिसाली, सुवा नृत्य - सखी सहेली नेवई, गेड़ी नृत्य- आदिवासी गेड़ी नृत्य दल गुन्ड़पारा सिहावा, पारम्परिक पुरुष पंथी नृत्य - अश्वन डहरिया, सहदेव बंजारे, बिरेंद्र टन्डन, जोगान्स चेलक, सतानंद बंजारे व शैलेन्द्र धृतलहरे द्वारा पंथी नृत्य एवं अंतरराष्ट्रीय मांदर वादक गौकारण दास बघेल के नेतृत्व में 07 मादर वादकों का एक साथ जुगल बन्दी, लोकमंच - ख्याति प्राप्त लोक गायक तुषान्त बारले द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दिया गया। कार्यक्रम में अमृता बारले स्मृति सम्मान श्रीमती सरोज बाला पाहित भिलाई, व सुश्री प्रियंका जांगड़े बालिका पंथी दल कोडेवा जिला बालोद को महिला पंथी नृत्य को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया एवं भरथरी गायन के छेत्र में सुश्री हिमानी वासनिक को प्रदान किया गया ।

उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के वरिष्ठ 25 पंथी कलाकारों जिसमें प्रमुख रूप से राष्ट्रपति द्वारा मिनीमाता सम्मान से सम्मानित श्रीमती गीता बंजारे, वरिष्ठ पंथी कलाकार पुराणिक लाल चेलक, अंतराष्ट्रीय मांदर वादक गौकरण बघेल, इतवारी राम मधुकर, खेमचंद भारती, मोहन दास चतुर्वेदी, सी एल रात्रे, राष्ट्रीय बिस्मिल्लाह खां सम्मान से सम्मानित पंथी कलाकार दिनेश जांगड़े, चूरामन दास बघेल, राम प्रसाद मिर्चे, सुखदेव बंजारे, भूपेंद्र चाणक्य, उदय कोसरे, राजेंद्र टंडन, लक्ष्मीकांत जड़ेजा, मथुरा प्रसाद जोशी को पंथी शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। राज्य के 12 जिला के जूनियर 35 कलाकारों जिसमें बीरेंद्र टंडन, सहदेव बंजारे, असवन डहरिया एवं अन्य को पंथी कला रत्न सम्मान, 03 उत्कृष्ट महिला को नारी शक्ति सम्मान, 07 विशिष्ट व्यक्तियों को ग्राम गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा, इनके अतिरिक्त प्रदेश के 15 ख्याति प्राप्त लोक गायक, गायिकाओ को छत्तीसगढ़ भुइय्या सम्मान श्रीमती कविता वासनिक , श्रीमती छाया चन्द्राकर , हिरेश सिन्हा , श्रीमती जितेस्वरी सिन्हा, श्रीमती चम्पा निषाद, छालीवुड कलाकार श्रीमती उर्वशी साहू, श्रीमती उपासना वैष्णव रायपुर, श्रीमती तारा कुलकर्णी पचेड़ा, श्रीमती चंद्रिका मोरिया बालोद, श्रीमती विनीता सन्तोष ढीमर, श्रीमती पुष्पा शंकर साहू, तुषान्त बारले, सुश्री पायल साहू आदि।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27